श्रीमती

महाराज्ञी इङ्गलैंडेश्वरी क्वीन विक्टोरिया यात्रा

आप महाराज्ञी की बनायी

अंगरेज़ी पुस्तक से

उनके आज्ञाकारी परम शुभचिन्तक महाराजाधिराज

काशिराज ईश्वरीप्रसाद नारायणसिंह बहादुर ने

हिन्दी में उलथा लिखाया ।

THE QUEEN'S TRAVELS

IN SCOTLAND AND IRELAND.

TRANSLATED INTO HINDÍ

BY

HER MAJESTY'S MOST OBEDIENT AND DEVOTED SERVANT

HIS HIGHNESS ÍSVARI PRASÁD NÁRÁYAṆ SINHA BAHÁDUR,

MAHÁRÁJA OF BANÁRAS.

बनारस

मेडिकल हाल के छापे ख़ाने में छापी गयी ।

सन् १८७५ ई॰

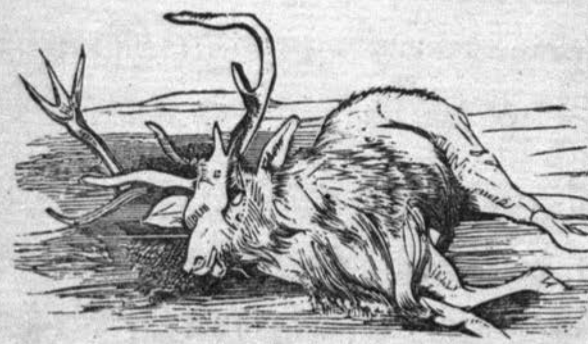
PRINTED BY E. J. LAZARUS AND CO.,
AT THE MEDICAL HALL PRESS, BENARES.

भूमिका ।

धन्य भाग्य जो सदैव इङ्गलैंड से शीतल देश में रह के श्रीमती महाराज्ञी प्रबल प्रताप प्रचन्ड मार्तन्ड इङ्गलैंडेश्वरी कीन विक्टोरिया (दिन दिन ईश्वर प्रताप बढ़ावे) नित्यं प्रति मुख चन्द्र दर्शन करके कुमुद की तरह आह्लाद पाते और प्रफुल्लित होते हैं हम लोगों को यहां श्रीमती के मुखारविन्द से निकले हुए शब्द या हस्ताक्षर सुनने या देखने में आजाते हैं तो उसी से अपना धन्य भाग्य जानते हैं इसी कारण जो कुछ अपनी याचा का वर्णन अपनी पुस्तक में लिखा है इस आज्ञाकारी परम शुभ चिन्तक ने हिन्दी में उलथा लिखाया जिस्से हमारे सब स्वदेशीय इस अपूर्व्व ग्रंथ के देखने और पढ़ने से कृतार्थ होवें ॥

वनारस
२४ मइ
सन् १८७५ ई·

ईश्वरी



...ाटलैन्ड की पहिली सैर का हाल ॥

सोमवार अगस्त २६, १८४२ ई० "रायलजार्ज" जहाज़ ॥

सुबह को पांच बजे रेल गाड़ी पर सवार होने के लिये हम लोग मुक़ाम ...ज़र से चले डचेज़नारफोक और मिस्मटिल्डा पेगेट और जेनरलवेमिस् और ...रनैलबोवरी और अन्सनसाहिब साथ थे लार्डलिवरपूल और लार्डमर्टन् और सरजेम्सक्लार्क पहिले से उलविच में जा ठहरे थे पौने छ बजे लंदन में पहुंच कर अपनी अपनी गाड़ियों पर सवार हो सात बजने से पेशतर उलविच दाख़िल हुए फ़िलफ़ोर आलबर्ट और हम जहाज़ पर सवार हुए इसके देखने के लिये बड़ी भीड़ थी ॥

ड्यूककेम्ब्रिज और लार्डजर्सी और लार्डहेर्डिंगटन और लार्डब्रुमफ़ील्ड अपनी २ पूरी वर्दी पहने हुए हाज़िर थे सरजार्ज ने मेरा हाथ पकड़ कर जहाज़ पर पहुंचा दिया पानी ख़ूब बरस रहा था इस लिये हम लोग जहाज़ के अन्दर अपने अपने कमरे में बैठे रहे ॥

हमारे साथ की बहर में जो सब जहाज़ थे उनके नाम नीचे लिखे जाते हैं ॥

१—पिक ३६ तोपवाला

२—डाफ़िन १८ तोपवाला

३—सलामंडर धूंएं का उस पर गाड़ियां थीं

४—रैडामेंथर धूंएं का उस पर लार्डलिवर्पूल और लार्डमर्टन सवार थे

५—मक्की धूंएं का उस पर अंसनसाहिब और शागिर्द पेशे के लोग सवार थे

६—शीअरवाटर धूंयं का उस पर सरजेम्सक्लार्क सवार थे
७—ब्राकईगल धूंयं का उस पर मेम लोग सवार थीं
८—लैटनिंग धूंयं का उस पर बेंडा ख़िदमतगार और हमारे दो कुत्ते इओस और केअर्नीक सवार थे
६—फ़ीअर्लेस धूंयं का पानी नापने को

यह जहाज़ बहर में हम लोगें के हमराह थे सिवाय इनके ट्रिनिटीहौस नाम धूंयं का और एक डाक का जहाज़ भी साथ था और छोटी छोटी धूंयं की किश्तियां तो आदमियें से भरी हुई पीछे पीछे बेशुमार थीं ॥

मंगलवार अगस्त ३० ॥

सुना कि आठ बजे रात से अबतक सिर्फ़ अट्ठावन मील आये हैं तबीअत निहायत दिक़ हुई दिन भर लेटे रहे शाम को समुद्र में लहरों का ज़ोर था और मेरी तबीअत नादुरुस्त रही साढ़े पांच बजे यार्कशायर के किनारे पर फ़्राम्बरोहेड में हम लोग पहुंचे ॥

बुधवार अगस्त ३१ ॥

पांच बजे सुना कि रात को हमारे जहाज़ कुल तीन मील फ़ी घंटे चले और इस सिहाब से सेन्टऐब्सहेड से पचास मील आये अफ़सोस हुआ ॥

रास्ते में कोकेट का टापू और नार्थम्बरलेन्ड के किनारे पर वाम्बरो का क़िला था मगर अफ़सोस कि उसके देखने का इत्तिफ़ाक़ न हुआ अपने कमरे से फ़िरनी का टापू कि जिस पर ग्रसडार्लिङ् का रोशनी का मीनार जहाज़ वालें को राह बतलाने के लिये बना है देखा राकी और होली के टापू भी नज़र आये साढ़े पांच बजे जहाज़ के सहन पर आकर में लेट गई अब स्काट्लेन्ड का बहुत सुन्दर किनारा दिखाई दिया यहां के समुद्र का किनारा कुछ औरही तरह का है उसके ऊंचे ऊंचे खड़े

पहाड़ के पत्थर काले २ जंगली तरह के बहुत ख़ूबसूरत नज़र पड़ते थे साढ़े छ बजे सेन्टऐब्सहेड् से आगे बढ़े बहुत लोग शिकारी डोंगियों पर जिन में से एक पर बांसुरी बज रही थी और कितने ही लोग धूंएं की किश्तियों पर हमारे देखने को आये एक बड़ी धूंएं की किश्ती पर रील का नाच हो रहा था और बाजा बजता था यह वक़्त शाम का अत्यंत मनोहर और समुद्र स्थिर था सूर्य्य बहुत सुंदरता से अस्त होता था और पवन बहुत शुद्ध चल रही थी ॥

हर शख़्स को यहां आने से मालूम होगा कि दिन इङ्गलिस्तान से कितना बड़ा होता है साढ़े आठ बजे तक अच्छी तरह अंधेरा नहीं हुआ था सोमवार और मंगल की शाम को जब हम लोग विंज़र में थे साढ़े सात ही बजे अंधेरा हो चला था और आठ के पहिले बिलकुल अंधकार हो गया था लोगों ने नाचने का इजाज़त ली एक छोटा सा जहाज़ के ख़ल्लासी का लड़का बेला बजाने लगा उसकी आवाज़ पर वे नाचे और गाये ॥

नौ बजने में पच्चीस मिनट बाक़ी रहे तक हम लोग जहाज़ की सहन में रहे औ स्काट्लेन्ड के किनारे पर डंबार और टिनिंगहेम और लार्ड-हेडिंगटन के मकान में और २ भी कई मुक़ामो में ख़ुशी की रोशनियां * जलती हुई देखीं हम लोगों ने भी चार बान छुड़वाए और दो नीली रोश्नी के लेन्टेन जहाज़ के मस्तूल पर चढ़वाए जहाज़ के ख़ल्लासियों का मस्तूलों पर चढ़ना देखकर निहायत हैरत आती थी और तमाशा यह कि चाहे रात हो चाहे दिन हो उन्हें दोनों बराबर था वह जो लेन्टेन मस्तूल

* वहां दस्तूर है कि जब कोई बड़ी ख़ुशी होती है ऊंची जगहों पर बड़े २ अलाव लगा कर जला देते हैं मानो होली मंचा देते हैं ॥

पर ले गया अपने दांतो में दबाकर मानों मस्तूल पर दौड़ गया यह लोग जैसे चालाक हैं वैसे ही भलेमानस भी हैं ॥

ईश्वर का धन्यवाद किया और बड़ी खुशी मनाई कि सफ़र ख़तम होने पर आया ॥

बृहस्पति सिप्टेम्बर ११.॥

सवा बजे लंगर गिरने की आवाज़ सुनी और वह बहुत प्यारी मालूम हुई सात बजे हम लोग जहाज़ के सहन पर आए और वहीं हाज़िरी खाई एक तरफ़ तो लीथ और एडम्बरा के ऊंचे २ पहाड़ कुहासे से ढंके हुए दिखलाई देते थे और दूसरी तरफ़ मे का छोटा टापू देखने में आता था मशहूर है कि इसी जगह मेकडफ़ ने मेकबेथ से मुक़ाबला किया था पीछे की तरफ़ हम लोगों के व्यासराक का पहाड़ था आठ घंटे से दस मिनट् ऊपर हम लोग ग्रेन्टनपायर पर पहुंचे वहां ड्यूकबोकलियो और सर्राबर्टे पील आदि से मुलाक़ात हुई वे जहाज़ पर हम लोगों से मिलने आये और सर्राबर्टे ने अर्ज़ किया कि अगर्चि कल इन्तिज़ार में कुछ ना उमेदी हुई थी आज सब लोग महारानी के दर्शन से अत्यंत आल्हादित हुए हैं हम लोग इसके बाद जहाज़ के बाहर निकले लोगों ने जयकारे के तौर पर खुशी ज़ाहिर की और ड्यूकने हम लोगों का इस्तिक़बाल किया हमराही बीबी और साहिब लोग पहिले ही कुशल से ज़मीन पर उतर चुके थे अब हम् दोनों उतरे बीबी और साहिब लोग साथ हुए ड्यूक और सवार और ऐन्सन् साहिब घोड़े पर हो लिये ॥

एडम्बरा में आदमी तो इस क़दर नहीं हैं पर भीड़ और कश्मकश इतनी थी कि डर होता था किसी को चोट चपेट न लगजाय इन्तिज़ाम

इसका हो सकता था अगर प्रोवोस्ट याने कोतवाल हम लोगों के पहुंच ने के ठीक वक़ की ख़बर मशहूर करने में ग़लती न करता एडम्बरा शहर देखने से दिल पर बड़ा असर पैदा हुआ यह निहायत सुंदर स्थान है इसके समान हमने कोई जगह अब तक नहीं देखी है आलबर्ट कि जिन्हो ने इस क़दर देखा भाला है बोले कि मैंने ऐसी जगह कभी नहीं देखी यह बड़े क़ाइदे से बना है इमारतें बड़े बड़े पत्थरों की हैं ईंट कहीं नहीं दिखाई देती सड़कें ऊंची और उमदः बनी हैं क़िला शहर के बीच में ऊंचे पहाड़ पर बड़ी नमूद का है और क्याल्टन् की पहाड़ी पर क़ौमी यादगार यूनानी इमारतों के नक़शे मुताबिक़ बनाहुआ और नेलसन् का यादगार और बर्न का यादगार और जेलख़ाने का मकान और क़ौमी मदरसा वग़ैर: बड़ी बड़ी इमारतें आर्थरसीट पहाड़ के साथ जो सब के पीछे एक ऊंची दीवार सा खड़ा है अद्भुत सुंदरता को दिखाती हैं सब के मन में बड़ी आग्रह और बड़ी मुहब्बत मालूम होती थी बादशाही तीरन्दाज़ बाडीगार्ड * के सिपाही हाज़िर हुए और शहर में सारी राह हमराह रहे इस बाडीगार्ड के ग़ोल में बिलकुल अमीर और रईस भरती हैं वह गाड़ी के साथ पैदल चलते थे और लोगों की बड़ी भीड़ से ख़ूब धक्के खाते थे इन सिपाहियों में ड्यूक राक्सबर्ग और लार्डइलचू मेरी तरफ़ थे और सर॰जे होप आल्बर्ट की तरफ़ लार्डइलचू ने जिन को मैं उस वक़ तक पहिचान्ती न थी चलते हुए बहुत से यादगार और दूसरे मकानों का पता बतलाया नगर से बाहर निकल कर

---

* ड्यूकब्योकलियो एक रोज़ कहते थे कि इन तीरन्दाज़ बाडीगार्ड का ग़ोल अव्वल जेम्स ने क़ाइम किया था और वह सब सवार थे और सिर से पैर तक हथियारों में डूबे हुए उनका काम हमेश: बादशाह के पास रहने का था फ्लाडनफील्ड में चौथे जेम्स बादशाह की लाश जब मिली उसके आस पास इन बाडीगार्ड वालों की लाशें पड़ी थीं ॥

सवारी तेज़ चली अदना ग़रीबों के मकान भी पत्थरों के बने हैं और टट्टियों की जगह पत्थर की दीवार दिखाई देती हैं ॥

इस मुल्क से और यहां के लोगों की चाल ढाल से और इङ्गलिस्तान से और इङ्गलिस्तानवालों की चाल ढाल से फ़र्क़ है बूढ़ी औरतें सिर से चिपका के टोपी पहन्ती हे लड़के और लड़कियां नंगे पैर फिरती हैं मैने कई एक सुन्दर लड़के और लड़कियों को देखा कि उन के सिर पर लंबे लंबे बाल थे और यहां तीन बरस से ले कर सोलह बरस की उमर तक ग़रीबो के लड़के और लड़कियो के सिर पर खुले हुए लम्बे लम्बे बाल अकसर सुर्ख़ रंग के लटकते रहते हैं फिरते हुए हम लोगों ने क्रेग-मिलर का खंडहर क़िला देखा जो किसी समय स्काट्लेन्ड की शाहज़ादी मेरी के रहने का मुक़ाम था ग्यारह बजे हम लोग डालकीथ पहुंचे यहां एक बड़ा भारी मकान सुर्ख़ पत्थरों का बना है उसका ज़ियादा हिस्सा मानमथ की डचेज़ का बनवाया हुआ है और रमना इसमे बहुत मनोरम और बड़े विस्तार का हे तीन तरफ़ इसका खुला और बाईं ओर दर्वाज़ा हे हम लोगों के दाख़िल होते ही डचेज़ बोकलियो पहुंचीं और एक संुदर सीढी की राह से हमारे रहने के कमरों में जो बड़े आराम के बने थे ले गईं हम दोनों को बड़ी थकावट मालूम हुई सिर घूमता था ॥

फिर गाड़ी पर सवार हो रमने की तरफ़ निकले आर्थरसीट और पेंटलेन्ड पर्वतों की सैर यहां से अच्छी दिखाई देती थी गाड़ी की सड़क सुन्दर बनी हे और उसके नीचे ही पहाड़ की एक गहरी दून हे आठ बजे आकर खाना खाया बहुत से लोग शरीक थे सब बड़ी ख़ातिर्दारी और मिहर्बानी करते थे हम लोगों के सफ़र का ज़रा ज़रा हाल आग्रह से पूछते थे ॥

मुक़ाम डालकीथ शुक्र सिप्टेम्बर २॥

हाज़िरी के समय मैने यहां की आशबो चक्खी सवाद इसका अच्छा था और एक तरह का और भी खाना खाया फिर हवा खाने निकले सैर की जगहें अति विस्तृत और रमनीक बन पहाड़ से शोभित थीं एक नदी के किनारे टहलते हुए एक ऊंचे करारे पर चढ़ कर छोटी सी झोपड़ी के पास पहुंचे और वहां से ऊपर ही ऊपर डेरे की राह ली चार बजे डचेज़ बोक़लियो और डचेज़ नारफ़ोक् के हमराह सवार हुए ड्यूक वगैरः घोड़े पर सवार और बाक़ी लोग दूसरी गाड़ी पर थे डालकीथ में होकर सवारी निकली यहां लोग ख़ूब जमा थे और सब के सब दौड़ते और ख़ुशी की आवाज़ करते हुए चले॥

आलबर्ट ने कहा कि इनमें बहुत से लोग जरमनी के से दिखाई देते हैं बूढ़ी औरतें एक प्रकार की टोपी जिसको वह मुच कहते हैं पहिने हुए थीं और छोटे लड़की-लड़कों के सिर पर लटके हुए बाल बहुत सुंदर और चित्र समान मालूम होते थे बानेट की टोपी पहने कोई औरत नहीं दिखाई दी॥

इस अर्से में ऐसा एक कुहासा उठा कि हम लोगों को लासवेड गांव और लार्ड मेलविल् के सुंदर रमने में होकर डेरे को लौट आना पड़ा॥

सनीचर सिप्टेम्बर ३॥

दस बजे हम दोनों बरुच गाड़ी पर सवार और सब लोग पीछे पीछे एडम्बरा को चले आर्थरसीट् के पहाड़ के नीचे से सवारी निकली बड़ी भीड़ जमा होने लगी बादशाही तीरन्दाज़ बाडीगार्ड यहां से साथ हुए लार्डइलचू हमारी तरफ़ और ड्यूकबाक्सबर्ग और सर जे होप आलबर्ट की तरफ़ पैदल् चले रास्ते में हालीरुड का गिरजा मिला यह बड़ा प्राचीन

स्थान देखने योग्य है होलीरुड का महल एक पुरानी जगह बादशाही शान का बना है यहां की पुरानी सड़क अजीब क़िता की है दोनों जानिब बड़े ऊंचे ऊंचे मकान अकसर ग्यारह ग्यारह मंज़िल तक के हैं और हर एक मंज़िल में एक एक कुनबे के आदमी रहते हैं हर एक खिड़की आदमियों से भरी हुई थी लोगों ने नाक्स और रिजेन्ट मरे के अजीब और पुराने मकान दिखाये यह पिछला अबतक बखूबी क़ाइम है इस पुराने नगर का बड़ा गिरजा और नये क़सबे में सेन्टपाल का गिरजा बहुत सुंदर बना है नाके पर कोतवाल ने कुंजी नज़र की ॥

यतीमख़ाने की लड़कियें और हर फ़िर्के के आदमी पुरानी वज़ा की पोशाक पहने हुए एक चबूतरे पर थे उस्से आगे बढ़ कर एक नया गिरजा बन रहा था और वह ख़तम होने पर था मगर तअज्जुब की बात है कि लोग अब उसकी नेंव का पत्थर जमाने की रस्म अदा करने को थे निदान हम लोग क़िले में पहुंचे और उसके ऊपर चले गये ॥

क़िले के दोनो बुर्ज पर से सैर बड़ी अद्भुत दिखाई देती थी तसवीर का सा आलम था हेरीआट के असपताल के मकान पर से एक सुंदर पुरानी इमारत नज़र आई उसे एक सुनार जौहरी ने जेम्स बादशाह के समय में बनवाया था और इसी सुनार जौहरी को सरवाल्टर ने अपनी पुस्तक में विख्यात किया है फिर हम लोग गाड़ी पर सवार हो कर आगे बढ़े भीड़ ऐसी थी कि सचमुच डर मालूम होता था हम और आलबर्ट बहुत डरे क्योंकि हमराही तीरन्दाज़ों को भीड़ हटाने में बड़ी मिहनत पड़ती थी लेकिन् यह तीरन्दाज़ बड़े काम आए उनके एक हाथ में कमान थी और तीरों को कमर में खोंसे थे ॥

एडिम्बरा के बाहर निकलते ही पानी बरसने लगा और दो पहर के बाद से शाम तक बराबर बरसता रहा दो बजे हम लोग डालमनी में लार्ड रोज़बेरी के घर पहुंचे रमना बहुत सुंदर रमणीक है समुद्र के किनारे तक पेड़ जमे हैं यहां से फ़ोर्थ की खाड़ी और मे का टापू और बासराक पहाड़ी और एडम्बरा की सैर बहुत अच्छी नज़र आती है मगर कुहासे ने इस क़दर छा लिया था कि किसी चीज़ का भी देखना मुशकिल था ज़मीन बहुत फ़राख़ थी जंगल टून पहाड़ सब उस में मौजूद थे रहने का मकान हाल का बना है लार्ड रोज़बेरी ने इस को खुद बनवाया है और यह बहुत सुंदर और आराम का है हम लोगों ने कुछ नाश्ता किया और लार्ड रोज़बेरी और उस के घरवाले बड़ी ख़ातिरदारी से मिले साढ़े तीन बजने के क़रीब यहां से चले और लीथ में हो कर डेरे की तरफ़ गये॥

लीथ में दाख़िल होने से पहिले ही सड़क पर से एडम्बरा की मनोहर छबि नज़र आती है आलबर्ट के कहने बमूजिब यह परिस्तान है और ऐसी कैफ़ियत केवल तसवीर ही में दिखाई देती है यहां से वह सुंदर नगर बिलकुल नज़र आया उसके एक तरफ़ क़िला सिर उठाये और दूसरी तरफ़ केलटन का पहाड़ ऊंची ऊंची आर्थरसीट और सालिसबेरी की चोटियों से शोभायमान था आल्बर्ट ने कहा कि बेशक एक्रोपोलिस इस्से बढ़कर मनोहर नहीं हो सकता और सुन्ने में आया कि लोग एडम्बरा को हाल का एथेन्स नगर कहते हैं हमराही सिपाही फिर लीथ में मिले यह जगह कुछ सुंदर नहीं है॥

यहां के लोग बड़े उत्साह से भरे थे और भीड़ बड़ी थी पहरेवालों के सिर पर एक अजीब तरह की टोपी थी और उन के घोड़े फूलों से

ऐसे सजे थे कि एक आश्चर्य मालूम होता था लेकिन यहां के मल्लाहनों की शकल सब से अधिक चमत्कार थी यह अकसर जवान औ खूबसूरत डच लोगों की सी सफ़ेद टोपी और रंगीन कुरते पहिने हुए दिखाई देती थीं उन का रसम है कि अपने फ़िरके से बाहर कहीं विवाह नहीं करती हैं छ बजे हम लोग खूब थके हुए फिरे ॥

ऐतवार, सिप्टेम्बर ४ ॥

नया बाग़ जो बनरहा है उस के देखने के लिये हम लोग टहलते हुए गये वहां पर मेकिन्टाश मिला वह पहले केलेरमू का बाग़बान् था वहां से डालकीथ तसवीर सा सुंदर नज़र आता था आल्बर्ट ने कहा यह जरमनी देश का सा है पुल पर से हम लोग एस्क नदी पार हुए दोनों तरफ़ सुंदर पेड़ लगे हैं लेडी लिटिल्टन् से अपने लड़के बालों का कुशल छेम पाया बारह बजे मकान में नमाज़ हुई रामज़ी साहिब ने वाज़ किया ॥

साढ़े चार बजे डचेज़् हम लोगों को अपनी फ़िटन् गाड़ी पर जिस में अच्छे सुरंग टांघन जुते थे सवार कराकर बाहर लेगईं आलबर्ट ड्यूक और करनेल् बोवरी के साथ घोड़े पर सवार हुए रमने के एक तरफ़ से पुराने जंगल और दक्षिण औ उत्तर की एस्क नदी देखते हुए हम लोग चले यह दोनों नदियां जहां मिली हैं वहां से पेन्टलैन्ड पहाड़ों की बहुत अच्छी सैर दिखाई देती है फिर हम लोग एक दूसरी राह से न्यूबेटल् और लार्ड लोदिअन् के मकान के पास पहुंचे रमना यहां का अत्यंत मनोहर और मकान बहुत बड़ा था हम लोग एक बहुत बड़ा पेड़ जिसे बीच* कहते हैं देखने को बाहर आए इस् पेड़ के नीचे से दक्षिणी एस्क नदी बहती है और भी बहुत से पेड़ उसके किनारे पर खूब जमे हैं ॥

यहां से हम लोग मुक़ाम डलहोज़ी में लार्ड डल्हौज़ी के मकान में गए यह मकान स्काटलेन्ड के पुराने क़िले के तौर पर सुर्ख़ पत्थरों का बना हुआ है दमभर के लिये हम लोग गाडी से उतरे डलहौज़ीवालों ने दरबारी कमरे तक पहुंचाया उस की खिड़की से एक दून सुंदर पेड़ों से सजी हुई दिखाई देती थी और दूर के पहाड़ों की भी कुछ झलक मालूम होती थी ॥

लार्ड डल्हौज़ी ने कहा कि चौथे हेनरी के अहद से इङ्गलिस्तान का कोई बादशाह आजतक यहां नहीं आया फिर जिस राह से आये थे उसी राह डेरे को लौट गए जैसा आज का दिन साफ़ चमकीला और बर्फ़ जमने की सर्दी का था शाम भी वैसीही रही फिरते वक़्त मोरफुट् का पहाड़ नज़र आया सात बजने के बाद हम लोग डेरे पर पहुंचे ॥

सोमवार, सिप्टेम्बर ५ ॥

आज डालकीथ के क़सबे में मैंने दरबार किया वज़ीर लोग और स्काट्लेन्ड के जंगी अफ़सर लोग दरबार में और बादशाही तीरन्दाज़ जो लंदन के हथियारबंद रईसों की तरह हैं दरबारी कमरे के अंदर औ बाहर हाज़िर थे दरबार से पहले लार्ड प्रोवोसट् और मजिसट्रेट् और स्काट्लेन्ड की ईसाई जमाअत और सेन्टएन्डूग्लासगो और एडिम्बरा के यूनीवर्सिटी * से तीन अड्रेस † मुझ को और इस के बाद तीन आलबर्ट को मिले जवाब इन का हम ने और आल्बर्ट ने अलग अलग दिया आल्बर्ट ने अपना जवाब बड़ी ख़ूबी से पढ़ा ॥

मंगलवार, सिप्टेम्बर ६ ॥

नौ बजे डालकीथ से कूच किया आज की सुबह चमकीली साफ़

* परीक्षकमंडली ।　　† प्रशंसापत्र ।

और सर्द थी पाला पड़ा था चलते हुए पेन्टलेन्ड और आर्थरसीट पहाड़ जिन के नज़दीक से गए सुंदर दिखाई देते थे सालिसबरीक्रेग के पहाड़ भी बहुत ऊंचे और निकले हुए शृंगों से शोभित थे इस्से पहले हम लोग क्रेगमिलर देख चुके थे शहर के बाहर से हेरिअट का अस्पताल होते हुए हम लोगों का जाना हुआ और क़िला यहां से बहुत ख़ूबसूरत नज़र आया ॥

जब मैंने क़िला देखा था इस बात का ज़िकर करना भूल गई थी कि हम लोगों ने राजचिह्न अर्थात् बादशाही ताज इत्यादि जो बहुत पुराने और अजीब तरह के हैं और सौ बरस तक गुम रहे थे और उस कोठरी को भी देखा था जिस में स्काट्लेन्ड का छठवां और इङ्गलिस्तान का पहिला जेम्स बादशाह पैदा हुवा था यह एक बहुत छोटी कोठरी है और दीवार पर एक पुरानी दुआ लिखी है एडिम्बरा और फ़ोर्थ नदी की अच्छी सैर दिखाई दी क्रेग्लीथ मुक़ाम में अर्थात् नौ मील के क़रीब आकर घोड़े बदले गए ड्यूक ने डालमनी पहुंचने तक साथ दिया फिर वहां से लार्ड होप्टौन् साथ हुए ग्यारह बजे हम लोग दक्षिण क्वीन्सफ़ेरी* मुक़ाम में पहुंच कर गाड़ी से उतरे और एक छोटी धूंएं की नाव में सवार हुए हमारी गाड़ियां और बीबी और साहिब लोग दूसरी धूंएं की नाव पर चले हम लोगों ने फ़ोर्थ नदी पर थोड़ी दूर जा कर लार्ड होप्टौन् का मकान देखा यह मकान होप्टौन् नगर और डालमनी के बीच बड़े मौक़े पर है डंडस् का क़िला भी देखने में आया आगे बढ़ कर ब्लाकनेस् का क़िला है वह इतिहासों में प्रसिद्ध है दूसरी तरफ़ पानी के ऐन किनारे पर देखा तो एक चौखूंटा बुर्ज है उस

* रानीघाट ।

का नाम रोज़ीथ है यहां आलीवरक्रामवेल की मा पैदा हुई थी और कुछ दूर पर डन्फ़रमलाइन में राबर्टब्रूस गड़ा है फ़ोर्थ नदी में एक सुंदर टापू इंचगार्वी नाम एक पुराने क़िले से शोभित है हम लोग उसी के निकट से गए नदी के सुंदर फेर फार को देखा और एडिम्बरा और उस का सुंदर क़िला दूर से दिखलाई पड़ा नदी पार उतर कर क्वीन्सफ़ेरी पहुंच कर गाड़ी पर सवार हुए जेनरलवेमिस् के बड़े भाई·कप्तान वेमिस् ने कोडनबीथ के आगे आठ मील तक बराबर घोड़े पर सवार साथ दिया क्वीन्सफ़ेरी छोड़ कर पहिला गांव इनवरकीदिंग नाम मिला सर पी डरहेम के गांव के पास से जाना हुआ ॥

कोडनबीथ में घोड़े बदले गए सवा बजे किन्रोज़शायर में दाख़िल हुए फिर जल्द ही हर तरफ सुंदर जगहें दिखाई देने लगीं और पहाड़ भी नज़र पड़े लाकलेवेन् से आगे बढ़ कर एक झील के किनारे वह क़िला देखने में आया जिस में से मेरी नाम शाहज़ादी भागी थी यहां सिर्फ़ एक तरफ़ पहाड़ है बाक़ी मुल्क बराबर बट्टाढाल है फिर किन्रोज़ में घोड़े बदल कर थोड़ी दूर पर वृक्षरहित पहाड़ों को देखा ग्लेनफ़ार्ग की दून में से निकले पहाड़ दोनों तरफ़ बहुत ऊंचे २ और जड़ तक पेड़ों से ढके हुए नज़र आये रास्ते के एक तरफ़ एक छोटी सी नदी बहती है वह मनोहर मालूम हुई ॥

इस दून से निकल कर स्ट्रेथर्न और मनक्रीफ़ पहाड़ों की सुंदर सैर दिखाई दी हम लोग तब पर्थशायर के इलाके में थे फिर अरन के पुल पर बारह मील के अंतर पर घोड़े बदले गए साढ़े तीन·बजे हम लोग डूपलीन में लार्ड किन्नोल के मकान पर पहुंचे रास्ते में बराबर मनोहर पहाड़ और खड्ड और नदियां देखने में आईं इधर रास्ता पहाड़ों का

ऊंचा नीचा और बीहड़ था ड्रूपलीन का मकान बहुत सुंदर हाल के क़िता का है एक ओर से पहाड़ों की सेर बहुत सुंदर नज़र आती है और साम्हनेही मकान के नज़दीक एक छोटा सा झरना भी है बयालिसवें हाईलेन्डर की एक पलटन मकान के साम्हने खड़ी की गई थी सिपाही सब घुटने तक कुर्ते पहिने हुए अति सुंदर मालूम होते थे यहां के अमीर और रईसों ने हम दोनो को अलग अलग अड्रेस दिया और लार्ड किन्नोल ने पढ़ सुनाया और पर्थ मुक़ाम के प्रोवोस्ट याने कोतवाल और मजिस्ट्रेट ने भी दिया तब हम लोगों ने कुछ नाश्ता किया विलोबी और किनेयर्ड और रथवेन के खान्दान के लोग और लार्डमेन्सफ़िल्ड और उन की एक बहिन और और भी लोग मौजूद थे नाश्ते के बाद थोड़ा सा बाहर टहले और पांच बजे फिर कूच किया बहुत जल्द हम लोग पर्थ में आए यह जगह टे नदी पर अत्यंत मनोहर है और एक तरफ़ इस को पेड़ों से भरे हुए पहाड़ों नें शोभा दे दी है दूर दूर निकले हुए पहाड़ों की सेर नज़र आई और नदी की सुंदर फेर फार दिखाई दी ॥

आलबर्ट मोहित हो गये और बोले कि इस स्थान को देखने से बासल नगर याद आता है वह भी जगह बहुत सुंदर और वहां के लोग उत्साही थे फूल पत्तों के मिहराबदार फाटक हम लोगों के आने की खुशी में जा बजा लोगों ने बनाए थे प्रोवोस्ट ने कुंजी नज़र दी और आल्बर्ट को शहर की आज़ादी दो मोल पर स्कोन् नाम लार्ड मेन्सफ़िल्ड का मकान सुर्ख पत्थरों से बना हुआ बहुत खुशनुमा मालूम होता था ॥

लार्ड मेन्सफ़िल्ड और बिधवालेडी मेन्सफ़िल्ड ने हम लोगों का दरवाज़े तक इस्तिक़बाल किया और हम लोगों को एक बहुत नफ़ीस कमरे में ले गए ॥

बुधवार, सितम्बर ७ ॥

हम लोग बाहर निकले और टहलते हुए उस ऊंचे स्थान को देखा जिस पर प्राचीन स्काट्लेन्ड के बादशाह हमेश: राज्याभिषेक पाते थे और पुरानी मिहराब पर चौथे जेम्स् का निशान बना था और पुराना ईसाई मत का सलीब भी देखा यह बहुत देखने के योग्य है ॥

खिड़कियों के साम्हने सिकेमोर अर्थात् एक प्रकार का वृक्ष चौथे जेम्स् बादशाह का लगाया हुआ है एक अजीब पुरानी बही हम लोगों के साम्हने पर्थ मुक़ाम से आई इस में अखीर दस्तखत इङ्गलिस्तान के पहिले जेम्स् और पहिले चार्ल्स् बादशाह का था लोगों ने हम को अपना नाम उस में लिखने को कहा लिखदिया गया कल लार्डमेन्सफ़ील्ड ने मुझ से कहा था कि शहर में चंद लोग हैं जो पहिले चार्ल्स् के समय के डौल की पोशाक अब तक पहिनते हैं ग्यारह बजे हम लोगों ने कूच किया पर्थ के एक तरफ़ से सवारी निकली और स्कोन की बहुत अच्छी सैर दिखाई दी थोड़ीही दूर पर आगे लंकार्टी की लड़ाई का मैदान मिला लोग कहते हैं कि यहां लार्ड एरोल् के पुरखाओं ने डेन्स लोगों को पराजय किया था लार्ड लीनेडोक का इलाक़ा भी रास्तेही में मिला इस के बाद अटरगेबन की नई सराय के पास घोड़े बदले गए ग्राम्पियन्स के पहाड़ों की क़तार अब साफ़ नज़र आने लगी ॥

चलते हुए बाईं तरफ़ वह पहाड़ टूलीबेल्टन् का नज़र आया जिस पर डूइड लोग अपने बेल नाम देवता के आगे बलि चढ़ाते थे उस पर्वत पर कुछ पेड़ भी लगे हैं ॥

बाईं तरफ़ लेकिन अधिक हम लोगों के साम्हने मुक़ाम बर्नाम् है वहां किसी ज़माने में बर्नाम् का बन था जिस का मेक्बेथ में ऐसा बर्णन

लिखा है सर् डब्ल्यू स्टूवर्ट का बहुत सुंदर शिकारगाह जो बर्थम् की सरहद्द पर है हमने देखा दाहिने ओर स्टोरमो ओर स्ट्रेथ्टे दिखाई दिया पहाड़ों के बीच से आते हुए आलबर्ट ने कहा कि दाहिने ओर जहां पहाड़ पर बहुत पेड़ लगे हैं थुरिंगेन् के समान ओर बाईं ओर स्वीट्ज़रलेन्ड की तरह दिखाई देता है दाहिने तरफ़ सर् डब्ल्यू स्टूवर्ट का इलाक़ा पहाड़ के नीचे टे नदी के अत्यंत सुंदर फेरफार पर मनोहर मालूम होता है इस प्रकार की सुंदर सैर डंकेल्ड मुक़ाम तक बड़ी रमणीक थी लार्ड मेन्सफ़िल्ड बराबर हम लोगों के साथ घोड़े पर रहे ॥

डंकेल्ड के बाहर ही एक मिहराबदार फाटक के साम्हने लार्ड ग्लेन्-लियन् के हाईलेन्डर लोगों की पलटन् बरछी बांधे हुए मौजूद थी ओर हमारे साथ हुई एक बांसरी साम्हने बजती थी डंकेल्ड टे नदी पर एक तंग दून में सुंदर मालूम होता था हाईलेन्डर की लश्करगाह के बीच तक जहां हम लोगों के नाश्ता करने के लिये एक ख़ेमा खड़ा था हम लोगों की गाड़ी आई बेचारे लार्ड ग्लेन्लियन् * ने जो यकायक बिलकुल अंधा हो गया था हम लोगों का इस्तिक़बाल किया उस की बीबी उसे संभाले चलती थी देख कर बड़ा खेद हुआ यह शख़्स हद्द से ज़ियादः मिहनत करने से अंधा हो गया है यहां लेडी ग्लेन्लियन् ओर लार्ड मेन्सफ़िल्ड आदि लोग हाज़िर थे हाईलेन्डर सिपाहियों की सफ़ हमने एक सिरे से दूसरे सिरे तक टहलते हुए देखी बांसरी बजती थी हम लोगों ने नाश्ता किया एक हाईलेन्डर † ने तलवार की कसरत दिखाई दो तलवारें कैंची की तरह ज़मीन पर रख् कर उस पर ऐसा नाचता था कि ज़रा छू न जाता रील का नाच भी हुआ ॥

---

* डूकऐथोल ।

† चार्लस् क्रिस्टी जो अब बेवा डचेज़ ऐथोल का कारन्दा है ।

पौने चार बजे डंकेल्ड से चले आगे आगे हाईलेन्डरों की फ़ौज थी टेमथ * तक बड़ी तफ़रीह के साथ सवारी गई दोनों तरफ़ पहाड़ों की क़तारों में सब से ऊंचे दो पहाड़ डंकेल्ड से निकल कर दाहनी ओर क्रेगीबार्नेस् और बाईं ओर क्रेगविनियन् मिले टे नदी के फेर फार बहुत मनोहर और सब पहाड़ हरे भरे थे मुक़ाम बेलानागार्ड से नव मील पर घोड़े बदले गये यहां से लार्डग्लेनलियन् के भाई कप्तान मरे हम लोगों के साथ घोड़े पर सवार हुए पहाड़ एक से एक ऊंचे मिलते गये आलबर्ट ने कहा कि बाज़ी जगह स्विटज़रलेन्ड के मुल्क सी मालूम होती है दूर पर पहाड़ इतने ऊंचे नज़र आये कि हम लोगोंने अब तक नहीं देखे थे पौने छ बजे टेमथ पहुंचे फाटक पर लार्डब्रेडल्बेनी के हाईलेन्डरों का एक पहरा मिला जिस दून में टेमथ बहती है वह चारों ओर बहुत

---

* सन् १८६६ की तीसरी अकतूबर को हमने डंकेल्ड मुक़ाम से भेष बदलकर टेमथ को फिर देखा लूई औ बेवा डचेज़ऐथोल और मिसमैक्रीगर साथ थीं इस शहर में बे इजाज़त गाड़ीपर जाने का हुकम न था और हम लोग अपने तईं ज़ाहिर नहीं किया चाहते थे इस लिये एक फाटक पर जो एक छोटे क़िले से नज़दीक था उतर पड़े बाग़बान के घर से क़िले तक एक औरत राह बतलाती गयी पहली बार हम लोग इसी बाग़बान के घर के पास ठहरे थे तोभी वह औरत हम लोगों को ज़रा न पहिचान सकी।

ऊंचे पर से नीचे के मकानों को देखा कुहासा निकल गया था और सब चीज़ें साफ़ मालूम होती थीं इस एकान्त में कि कोई नहीं जानता ये कौन हैं उस जगह को देखा जहां चौबीस बरस गुज़रे प्यारे लार्डब्रेडलबेनी ने हम लोगों का इस्तिक़बाल ऐसे बादशाही ठाठ और धूमधाम के साथ किया था कि जिस की बराबरी नहीं हो सकती और न कवि की कविताई में आसकता है।

उन दिनों आलबर्ट की और हमारी उम्र सिर्फ़ तेईस बरस की थी और तब हम लोग जवान और तनदुरुस्त थे हा! उस समय के साथियों में से अब कितने ही गुज़र गये हैं।

मैंने इस जगह को देखकर ईश्वर का धन्यबाद किया इस क़ासठ सन् में भी सब चीज़ें ज्यों की त्यों पायीगयीं।

ऊंचे श्रोर पेड़ों से लदे पहाड़ों से घिरी हुई बहुत ही सुंदर है वहां सुर्ख़ पत्थरों का एक मकान क़िले की तरह है उसमें हम लोग उतरे यहां से जो सैर दिखायी देती है उसका बर्णन नहीं हो सकता लार्डब्रेडल्बेनी के बहुत से हाईलेन्डर सिपाही ऊनी चार ख़ाने की वर्दी पहिने हुए मकान के साम्हने क़तार बांधे क़रीने से खड़े थे ख़ुद· लार्डब्रेडल्बेनी हाईलेन्डरों की पोशाक पहने हुए उनके अफ़सरों में मौजूद था सिवाय इसके कुछ सिपाही सरनीलमेन्ज़ी के सुर्ख़ श्रोर सफ़ेद डोरिए का कपड़ा पहिने हुए श्रोर बहुत से बांसरीवाले बांसरी बजाते हुए श्रोर बानवे पलटन की एक कम्पनी के हाईलेन्डर घुटने तक कुर्ते पहिने हुए दिखायी दिये तोपों की आवाज़ श्रोर रैयत की भीड़ श्रोर उनकी ख़ुशी की पुकार पोशाक की रंग बरंग की छबि आस पास के मुल्कों की शोभा श्रोर सब के पीछे बड़े बड़े पेड़ों से ढंपे हुए पहाड़ की ख़ूबी बयान में नहीं आ सकती जैसा इतिहासों में सुना है वैसाही मालूम हुआ कि मानों अगले ज़माने का बड़ा भारी सर्दार अपने बादशाह से मिलने आया है॥

लार्ड श्रोर लेडीब्रेडल्बेनी हम लोगों को सीढ़ी के ऊपर ले गये बड़े कमरे श्रोर सीढ़ियां हाईलेन्डर सिपाहियों की क़तार से सजी थीं॥

सीढ़ियां पत्थरों की बहुत सुंदर श्रोर सारा मकान नये श्रोर बढ़िया असबाब से सजा हुआ ख़ास कर दरबार का मकान ख़ूब सजा था इस कमरे से कुतुबख़ाने का रास्ता हम लोगों के रहने के कमरों से मिला हुआ है आठ बजे हम लोगों ने रात का खाना खाया इस मकान में हम लोगों के सिवाय श्रोर जो लोग ठहरे थे वे ये हैं बोक्लियो का ख़ान्दान श्रोर दो वज़ीर श्रोर डचेज़सदरलेन्ड श्रोर लेडी अलीज़ेबथ्

लेवेसन्गोअर * और एबरकर्न और राक्सबर्ग और किन्नोल् के ख़ान्दान और लार्डलेडडेल और सरएन्थनीमेटलेन्ड और लार्डलोर्नी † और फाकसमालीस और बेलहेवेन्स के ख़ान्दान और बिलियमरसल और उनकी बीबी सर जे और लेडीअलीज़ेबथ् और लेडीप्रियंगल् की बेटी और दो बेली साहिब और लेडीब्रेडलबेनी के भाई। दो क़िता अलग अलग मकान हम लोगों को दिखाये मगर हमने दाहिने हाथ का जो कुतुबख़ाने से मिला था पसंद किया खाना खाने का कमरा बहुत नफ़ीस गाथिक डौल का बना था और जब से बना है आज तक किसी दूसरे का खाना उसमें नहीं हुआ था जहां हम लोग टिके उसकी भी आज ही साअत हुई बाद खाने के बाहर बहुत उमदा रोश्नी हुई फ़ानूसों की एक क़तार लोहे के जंगलों पर बराबर रौशन थी और ज़मीन की फ़ानूसों पर लिखा था कि "विक्टोरिया और आल्बर्ट को मुबारक्" ॥

एक छोटा सा क़िला भी जो कुछ दूर पर जंगल में था रोशन किया गया था और पहाड़ की चोटियों पर खुशी के लिये आग जलायी गयी थी मैंने ऐसी परिस्तान की सी शोभा कभी नहीं देखी थी कुछ अच्छी अच्छी आतिशबाज़ी छूटी और अंत को हाईलेन्डर लोग बहुत अच्छी तरह बांसरियों की आवाज़ पर मशाल की रोश्नी में मकान के साम्हने रील का नाच नाचे उस जंगल में इस नाच ने चुहल मचादी ॥

टेमथ, बृहस्पति, सिप्रम्बर ८ ॥

साढ़े नव बजे आलबर्ट लार्डब्रेडल्बेनी के साथ शिकार को गये मैं डचेज़नार्फ़ोक के साथ बाहर टहलने गयी टे नदी दिखायी दी पानी इस नदी का पत्थरों में टकराकर चक्कर खाता और फेन निकलता था

---

* अब डचेज़आर्गाइल हुई हैं। † हाल डूकआर्गाइल।

नदी के दूसरे जानिब ऊंचे पहाड़ बहुत ख़ूबसूरत मालूम होते थे हम गोरखशाला में गये यह मकान क्वार्टज़ अर्थात् एक क़िस्म के पत्थरों का बहुत साफ़ और उमदा बना था इसके ऊपर से बहुत अच्छी सैर टे झील की नज़र आती थी ॥

जिस राह से आये थे उसी राह डेरे पर लौट गये पानी बराबर बरसता था बल्कि कुछ देर ख़ूब ज़ोर से बरसा आलबर्ट साढ़े तीन बजे फिर आये शिकार उनका बहुत ख़ूब हुआ जो सब शिकार मार लाये थे मकान के आगे रखे गये उन्नीस हिरन् बहुत से ख़रगोश और तीन जोड़ा ग्रौस चिड़िया और मुर्ग़ मिला था केपरकेलज़ी नाम एक चिड़िया घायल आयी थी उसे मैंने पीछे से देखा तो बड़ी शानदार मालूम हुई ॥

शिकार में तीन सौ हाईलैन्डर गये थे लार्डब्रेडल्बेनी खुद जंगल हांकने में था और आलबर्ट शिकार खेलते हुए ऐबर्फ़ेल्डी के निकट पैदल चले गये थे फिर हम लोग लेडीब्रेडल्बेनी और डचेज़सदरलैन्ड के साथ पांच बजे बाहर निकले टे झील को देखा और उसके किनारे सुंदर पेड़ों की छाया में गाड़ी पर चले और लार्डब्रेडल्बेनी के अमेरिका के भैंसों को देखा ॥

शुक्र, सिप्तम्बर ९ ॥

नव के बाद आलबर्ट फिर शिकार को निकले थोड़ी देर में डचेज़ नार्फ़ाक के साथ लोहे के पुल पर और टे के किनारे जहां बराबर घास जमी थी टहलते हुए गये ॥

हाईलैन्डर के पहरे के दो जवान पुराने दस्तूर के अनुसार नंगी तलवार खींचे हम लोगों के साथ हुए हम लोग इसी सड़क पर रमने के एक छोटे से मकान में टहलते हुए गये एक मोटी नाटी खुश मिज़ाज औरत क़रीब चालीस बरस के सिन की हम दोनों के लिये फूल तोड़ती हुई

नज़र आयी डचेज़ ने उसको हमारे नाम से कुछ इनाम दिया वह औरत बड़े अचरज में हुई मेरे पास पहुंच कर बड़े आनंद से कहने लगी कि आप की प्रजा आप को स्काट्लैन्ड में देख कर बड़ी मगन हुई है थोड़ी देर में बादल उमड आया पानी खूब बरसने लगा मगर हम लोग टहलतेही चले. नदी के किनारे घुटने तक कपड़ा पहिने एक औरत को आलू धोते हुए देखा॥

डेरे पर पहुंचतेही पानी बंद हो गया मगर जब तब बरसा भी किया पौने तीन बजे आलबर्ट फिरे उनको दलदलों में शिकार खेलने में बड़ी मिहनत पड़ी कहीं कहीं घुटनों तक दलदलों में फंस जाते थे नौ जोड़े ग्रोस चिड़िया मार लाये थे हम लोगों ने नाश्ता किया और दरबार के कमरे में जा बैठे खिड़की से हाईलैन्डरों को रील नाच नाचते देखा मगर अफ़सोस कि बराबर पानी बरसता रहा क़िले में नव बांसरी बजानेवाले थे कभी एक और कभी तीन मिल के बजाते थे उनका दस्तूर था कि हाज़िरी के वक़्त एक बार फिर सुबह के नाश्ते के वक़्त और हम लोगों के बाहर आते जाते हुए और रात के खाने के समय बजाते थे हम दोनों को आवाज़ उसकी बहुत भली मालूम होती थी॥

सवा पांच बजे डचेज़बोक्लियो और डचेज़सदरलैन्ड के साथ गाड़ी पर हवा खाने निकले लेडीब्रेडल्बेनी की तबिअत अच्छी नहीं थी लार्ड-ब्रेडल्बेनी घोड़े पर सवार साथ रहे झील के किनारे और पहाड़ों के बीच से सवारी गयी ईश्वर की सृष्टि पहाड़ों में चमत्कार नज़र आयी छोटी छोटी नीची झोपड़ियां धूंए से ऐसी भरी थीं कि मारे अंधेरे के कुछ भी दिखलायी नहीं देता था बिन्लायर्स का पहाड़ जिसको चार हज़ार फुट ऊंचा कहते हैं अच्छी तरह देखा आगे बहुत दूर पर बिनमोर का

पहाड़ और लायनओग्लेनलियन् नदी और बहुत सी दूनें दिखलायी दीं साढ़े सात बजे जब डेरे में लौट आये बिलकुल अंधेरा हो गया था आठ बजे खाना खाया लार्ड और लेडीरतवेन और लार्ड और लेडी डंकन ने यहीं खाना खाया खाना खाने के बाद नब्बे आदमी के क़रीब आये और नाच हुआ लार्डब्रेडल्बेनी के साथ हमने क्वाड्रिल का नाच शुरू किया और आलबर्ट डचेज़बोकलियो के साथ नाचे रील का कई नाच हुआ वह बहुत सुंदर और दिललगी का मालूम होता था ॥

शनीचर, सितम्बर १० ॥

हम लोग गोरसशाला तक टहलते हुए जा कर लौटे दो दिन के बाद आज सुबह को आकाश निर्मल हुआ लेडीब्रेडल्बेनी के साथ हम कुछ दूर गाड़ी पर और सब लोग पैदल गये उतर कर हम लोगों ने चील और बलूत का पेड़ लगाया फिर गाड़ी पर सवार हो कर सब के सब झील तक गये और किश्ती पर सवार हुए लेडीब्रेडल्बेनी डचेज़ सदरलेन्ड और लेडीअलीज़ेबथ खुश्की गयीं और हम लोगों के संग डचेज़नार्फ़ाक डचेज़बोकलियो और लार्डब्रेडल्बेनी थे दो बांसरीवाले किश्ती में एक ऊंची जगह पर बैठ कर अकसर बजाते रहे "लेडीआफ़दिलेक" नाम किताब जो हम नें इस अरसे में पढी तो उसमें इस कबित नें हम को उस दिन की सैर ताज़ी याद दिलायी ॥

सवैया ।

देखहु ध्यान दै आगे जहाज के गर्ब भरे बर बेनु बजावत ॥
धावत बेगसों बीच समुद्र के तान पुरान हाइलैन्ड को गावत ॥
बाजते बेनु के नीचे सरंग झबा फहरात महा छबि छावत ॥
तुङ्ग तरङ्गनि सों भरे सिन्धु के मध्य को मानो सुधारत आवत ॥

टे झील से लार्डब्रेडल्बेनी के आचमोर बंगले तक जो ठीक झील के किनारे पर है १६ मील की सेर बड़ी ख़ुशी से हुई यहां दोनों तरफ़ बड़ी केफ़ियत नज़र आती थी बिनलायर्स का पहाड़ ऊंचे २ पेड़ों से लदे पहाड़ों के बीच छोटे छोटे झरनें समेत ओर दूर से केनमोर के पहाड़ की झलक ओर झील का फेर फार बहुत ही सुंदर दिखायी दिया मल्लाहों नें बड़ी ख़ुशी से अपने दो अनोखे गीत गाये उनकी बोली बड़ी गलबल थी पर तो भी बहुत प्यारी कप्तान् मेगडौगल् ने जो सर्दार मेगडौगल् ख़ान्दान का था ओर किश्ती की पतवार थामे था हम लोगों को असल लोरन् का ब्रूचज़ेवर दिखलाया जो उसके पुरखाओं नें लड़ाई में राबर्टब्रूस् से लिया था आचमोर बड़े मौक़े पर है पहाड़ों के ऊपर से पेड़ सुंदर पानी तक झुके हैं ओर चारों ओर पहाड़ों का हलक़ा होने से यह जगह बड़ी मनोहर हो गयी है इस रम्य छोटी सी जगह में हम लोगों नें किश्ती से उतर कर कुछ नाश्ता किया आज आकाश बहुत निर्मल था आचमोर में हम लोग पौने तीन बजे पहुंचे ओर तीन बजने पर बीस मिनट तक वहां रहे हाईलेन्डर लोग वहां फिर आये लार्ड ओर लेडीब्रेडल्बेनी की तवज्जुह ओर मिहरबानी बेहद थी लेडीब्रेडल्बेनी बहुत नाज़ुक बदन हैं मुक़ाम किलिन् से हम लोगों का गुज़र हुआ यहां एक पहाड़ी नदी बड़े बड़े पत्थरों से टकरांती हुई ओ झरनें की तरह गिरती हुई बह रही थी ॥

अब हम लोग बड़े जंगल में आये शुरू इसका डाकहार्ट की दून से हुआ डाकहार्ट नदी इसीमें से बहती है सिवाय दलदल ओर ऊंचे पथरीले पहाड़ों के ओर कुछ नहीं नज़र आता था एक छोटी सी झील के किनारे ऐसी एक सैरगाह में आये कि वैसी कभी नहीं नसीब हुई थी इस

झील का नाम मेरे अनुमान में लारागिली है ग्लेन्बोग्ल की लंबी घाटी देखने से ख़ैबर घाटी की तसवीर यांद आती है सड़क कुछ दूर तक पहाड़ के ऊपर और नीचे बनी है बिनबोइर्लिक पहाड़ को भी देखा अर्नहेड की झील पर घोड़े बदले गये लार्डब्रेडल्बेनी घोड़े पर सवार इस मुक़ाम तक आये थे इसके बाद बराबर पानी बरसता रहा हम लोगों की सवारी आर्नझील के पास से गयी यह झील सुंदर लंबी और ऊंचे पहाड़ों के दामन में है लेकिन टे झील के बराबर लंबी नहीं है जब हम लोग फिर कर सेन्टफ़िलेन्स की तरफ़ गये झील अधिक सुंदर दिखलायी देने लगी एक पहाड़ पेड़ों से हरा भरा बहुत ख़ूबसूरत नज़र आया ॥

हम लोगों ने ग्लेनार्टनी का पहाड़ भी देखा उस पर लार्डविलोबी का हिरन् का जंगल है कोमरी में आखिरी घोड़े बदले जाने के पहिले सरडीडंडस के डुनीरा नाम मकान के पास आये और तब विलियमसन् साहिब के मकान और सरडब्ल्यूकीथमरे के आक्टरटायर मकान से गुज़र हुआ बहुतेरी जगहों में फूल पत्तों के दरवाज़े हमारे पहुंचने की खुशी में बनाये थे हम लोग क्रीफ़ में होकर गये और सात बजने के थोड़ी देर बाद एक निहायत खड़े चढ़ाव की राह हो कर ड्रमंड के क़िले में पहुंचे लार्डविलोबी ने दरवाज़े तक इस्तिक़्बाल किया और हम लोगों के रहने के कमरों तक ले गये कमरे छोटे थे मगर नफ़ीस सिवाय लार्ड और लेडीविलोबी और उनकी दो बेटी और ख़ास हमारे आदमियों के खाने की मेज़ पर जो लोग थे उनके नाम ये हैं डचेज़्सदरलैन्ड और लेडीअलीज़ेबथ और लार्ड और लेडीकेरिंगटन् और हीथकोट साहिब और उनकी बीबी और ड्यूकडीरीशल्यू और लार्डबेसल्सटन् और ड्रमंड साहिब और गारद के अफ़सर लोग ॥

डूमंड का क़िला, एतवार, सिप्तम्बर ११ ॥

एक बाग़ की सैर की वह फ़्रान्सदेश के पुराने बाग़ों की तरह नहरों से आरास्ता बहुतही उमदा है पुराना क़िला और टूटा हुआ मिहराबी रास्ता देखा ॥

बारह बजे दरबार के कमरे में नमाज़ हुई एक कम उमर पादरी ने बहुत अच्छा उपदेश किया ॥

तीसरे पहर पानी बराबर बरसता रहा जब मुझे लिखने से फ़राग़त हुई आलबर्ट को "दि ले आफ दी लास्ट मिन्सट्रेल्,, किताब का पहिला तीन शेर पढ़ कर सुनाया इस्से हम लोगों का जी ख़ूब बहला फिर रेंडनीगर की बनायी हुई पुरानी छापे की तसवीरें जो बहुत उमदा और अजीब मालूम होती थीं देखीं आठ बजे खाना खाया डचेज़सदरलैन्ड और लेडीअलीज़ेबथ रुख़सत् हो गयी थीं मगर लार्ड और लेडीऐबरकार्न और लार्ड और लेडीकिन्नोल् अपनी लड़की समेत खाने में शरीक हुईं ॥

सोमवार, सिप्तम्बर १२ ॥

पांच बजे आलबर्ट हिरन् के शिकार को निकले और डचेज़ नार्फ़ाक के साथ में टहलने गयी ॥

कुल हाईलैन्डर मुलाज़िम विलैाबी के लोंगबाग जो गिनती में एक सो दस थे सहन में सफ़ बांधे खड़े थे विलैाबी का लड़का और मेजर डूमंड उनके सर्दार थे लेडीविलैाबी के साथ में पैदल फिरती रहीं हथियार जो सिपाही बांधे थे बिलकुल लार्डविलैाबी के थे उनमें एक तलवार दोहरे क़बज़े की थी जो बैनकबर्न की लड़ाई में काम आयी थी सुना कि डंकेल्ड में नौ सौ के क़रीब हाईलैन्डर थे जिसमें पांच सो एथोल के लोग थे और पहरा वगैरः सब लेकर हज़ार जवान हाईलैन्डर थे ॥

आख़िर को तीन बजने से कुछ पहिले आलबर्ट ख़ूब धूप में जले भुने और निहायत थके हुए फिरे मुझको उनके फिर आने की ख़ुशी हुई एक बारहसिंघा शिकार कर लाये थे उन्ही ने कहा कि मिहनत बड़ी हुई और मुशकिल बहुत उठायी एक क़िसान के घर में कपड़ा अपना बदल लिया था ड्रमंड के क़िले से ग्लेनार्टनी दस मील पर है वहां तक वे गाड़ी पर गये थे मोना नाम एक शख्स जिसका मकान यहां से निकट है साथ गया था और आलबर्ट ने कहा कि वह बड़ा चालाक है आलबर्ट ने चार्लस * को अपने इस अजीब शिकार का मुख्तसर हाल लिखा था उसका ख़ुलासा यह है ॥

"कि निःसंदेह इस प्रकार का हिरन् का शिकार ओट में चलकर करना बड़ी मिहनत का है मगर दिल्लगी भी उसमें बड़ी है वहां एक पेड़ या झाड़ी भी नहीं है कि जिसकी ओट में छुप सकें इस लिये हिरिनों को घेरने के लिये हमेशा चोकन्ना रहना पड़ता है पहाड़ की तराई में इस ढब रहना पड़ता है कि हवा के रुख़ से उनको बू न पहुंचे घुटनों के बल चलना और बिलकुल अमोवा रंग का कपड़ा पहनना ज़रूर है,, ॥

साढ़े चार बजे हम लोग लेडी विलोबी और डचेज़बोक्लियो के साथ गाड़ी पर सवार हो कर निकले फर्नटावर में जो सरडीबियर्ड की जगह है गाड़ी रुकी और फिर मेजरमोर के एबकार्नी के मुक़ाम पर ठहरे यहां हम लोगों ने उस उमदा मकान को देखा जो मेजरमोर बनवा रहे हैं तब केम्बेलमूंज़ी और सरडबल्यूमरे के इलाक़ों की राह हो कर घर लोटते हुए हाईलेन्ड पहाड़ों की ख़ूब सैर हुई दिन आज का बहुत साफ़ था आठ बजे रात को खाना खाया बिलहेवन और

* मेरा सोतेला भाई शाहज़ादा लोनिंगेन जो १८५३ ई० में परलोक को सिधारे हैं ।

सिफ्टन और क्रेवेन कैम्बेल मुंज़ी आदि लोग खाने में शरीक हुए खाने के बाद और भी लोग आये बहुत से घुटने तक कुर्ती पहिने हुए थे कई नाच रील् का हुआ मुंज़ी का कैम्बेल नाचने में बड़ा होशियार है हम लोग भी देहाती तौर पर नाचे मैं लार्डविलोबी के साथ और आलबर्ट लेडीक्रेरिंग्टन् के साथ नाचे ॥

मंगल, सितम्बर १३ ॥

तड़के चलना था इस लिये सात बजते ही उठे और आठ बजे से पेश्तर हाज़िरी खायी नव बजे रवाना हुए आज सुबह को कोहासा था लार्डस्ट्रेथलेन के मकान के नज़दीक से गये और बूढ़ी लेडीस्ट्रेथलेन के पास लहज़े भर ठहरे यहां तक लार्डविलोबी घोड़े पर साथ आये थे बाद इसके मुक़ाम आर्डक् में आये जहां रूमी लोगों का बनवाया हुआ लिन्ड्रम नाम एक अजीब लश्करगाह है आलबर्ट बाहर निकल आये मैं गाड़ी में बैठी रही मेजरमोरे ने उनको लश्करगाह दिखाया वह अब तक बख़ूबी क़ाइम है ॥

ग्रीनलीएनींग में घोड़े बदले गये और डंब्लेन् होकर बारह बजे हम लोग स्टरलिंग पहुंचे गलियें तंग और भीड़ बहुत ज़ियादा और इंतिज़ाम बहुत कम होने से वारदात का ख़ौफ़ था क़िले तक रास्ता इतना ऊंचा था कि डर मालूम होता था तमाम राह आगे जुलूस के लिये पैदलों की भीड़ का तांता था और गर्मी शिद्दत् से मालूम होती थी क़िला बड़े मौक़े पर बना है मगर एडिन्बरा के क़िले को मैं ज़ियादा पसंद कर्ती हूं बूढे सरआर्चीवालडक्रिस्टी ने सब जगहों को बख़ूबी दिखाया वह कोठरी जिसमें दूसरे जेम्स ने डग्लस् को मारा था और वह खिड़की जिसमें से उसे फेंका था हम लोगों ने देखी छत इस कोठरी की अजीब क़िते की

है सिर्फ़ पच्चीस बर्स का अर्सा होता है कि इसी बाग़ में एक ठठरी मिली थी और अजब नहीं कि डगलस् की रही हो छत के ऊपर से बहुत दूर तक निगाह दौड़ती है लेकिन दिन को इतना कोहासा था कि हाईलैन्ड के पहाड़ बख़ूबी नज़र नहीं आये सरयेक्रिस्टी ने बैनक्बर्न कि लड़ाई का मैदान और नोल याने वह टीला क़िले की दीवारों के नीचे सटा हुआ दिखलाया जहां से बीबी लोग फ़ौज की क़वाइद् और कसरत् देखती थीं बिलकुल पुश्ते अब तक क़ाइम हैं नाक्स का बनवाया हुआ मिम्बर भी देखने में आया ॥

इसके बाद हम लोग फालकर्क हो कर निकले कैलेन्डर में फार्बस् साहिब के रमने पर घोड़े बदले गये फ़ार्बस् और सरमिचेल्ब्रूस ये दोनों स्टरलिंग के भी उधर से घोड़ों पर सवार हम लोगों के साथ थे रास्ते में लार्डजेठ्लेन्ड से मुलाक़ात हुई और लिनलिथगो में जहां फिर घोड़े बदले गये पहुंचने से कुछ पहिले लार्डहोप्टौन् मिले अफ़सोस कि वह बादशाही महल जिसकी बड़ी तारीफ़ सुनी थी देखने से रह गया थोड़ी देर बाद लार्डबोकलियो मिले और अपने बहुत से असामियों को साथ लिये हुए घोड़े पर सवार डालकीथ तक हमराह आये कर्कलिस्टन् में घोड़ों की डाक बदली गयी और फिर जाकर एडिन्बरा की सरहद पर घोड़े बदले एडिन्बरा में बहुत लोग जमा थे मगर हम लोग ठहर न सके साढ़े पांच बजे डालकीथ में दाख़िल हुए ॥

६५ मील का सफ़र हुआ मैं बहुत थक गयी और यहां ख़ैरीयत से पहुंच जाने पर बड़ी ख़ुशी हुई ॥

डालकीथ, बुधवार, सिप्टम्बर १४ ॥

स्काटलेन्ड में हम लोग अब आजही के दिन हैं हक़ीक़त में यह

एक बड़ा रमणीय स्थान है मुझे इसके छोड़ने का बहुत बड़ा रंज है पैदल जाकर हम लोगों ने उस सुंदर बनस्पतिशाला को देखा जिसे ड्यूक ने पाले से बचाने को पेड़ों के गमले रखने के लिये बिलकुल पत्थर का बनवाया है साढ़े तीन बजे डचेज़बोकलियो के साथ में बाहर निकली और सिर्फ़ कर्मलबोवरी घोड़े पर सवार साथ रहे मेलविल एन्ना और लोनहेड नाम एक गांव में होकर जहां कोयले की खान है रोसलीन में आये डालकीथ के क़रीब २ बहुत से गांवों में कोयले की खान है॥

एक गिर्जा घर में उतरे यह मकान पन्द्रहवीं सदी का बना है और अब तक बहुत दुरुस्त रहा है और इसमें काम भी निहायत ख़ूब किया है लार्डरोसलीन् के ख़ान्दान का क़बरिस्तान है इसी बाइस लार्ड साहिब इसकी मरम्मत रखते हैं रोसलीन् ख़ान्दान के बीस बैरन ज़िरह बकतर समेत यहां गाड़े गये हैं जब हम लोग गिर्जा के बाहिर आये बड़ी भीड़ जमा थी॥

रोसलीन से हाथार्नडिन को गये यह सुंदर मुक़ाम नदी कनारे बहुत बलंदी पर है यहां पर भी बड़ी भीड़ देख कर तअज्जुब हुआ ज़रूर ये लोग रोसलीन से हम लोगों से मिलने के लिये दौड़े हुए आये होंगे॥

गाड़ी से उतर कर पहाड़ों की अद्भुत खोहों को देखा वह निरी पत्थर की चट्टानों में हैं और उसमें एलेग्जैन्डररैम्ज़े और उसके साहसी साथी बहुत दिनों तक छुपे रहे थे डचेज़ ने बयान किया कि नदी के किनारे किनारे रोसलीन् तक इस प्रकार की बहुत सी गुफा हैं॥

बोनीरिग नाम एक दूसरे कोयले की खानवाले गांव और डालकाथ में होकर डेरे में आये॥

बृहस्पति, सिप्तम्बर १५ ॥

साढ़े सात बजे हम लोगों ने हाज़िरी खायी और आठ बजे कूच किया डचेज़बोकलियो और लार्डलिवरपूल और लार्डहार्डविक् साथ हुए लेडियां और इक्केरी लोग पहिले ही धूंएं के जहाज़ पर सवार हो गये थे दिन आज का बहुत साफ़ और चमकीला था एडिन्बरा में होकर हम लोग गये वहां की तैयारी बड़ी ख़ूबी के साथ हुई थी और इन्तिज़ाम भी उमदा था गाड़ी से उतर कर चह पर से ट्राईडेन्ट नाम एक बड़े धूंएं की नाव पर जो "जेनरल् स्टीम् नैविगेशन् कम्पनी" का था सवार हुए ड्यूक् और डचेज़बोकलियो और लेडीजेस्काट् एमलिन्वाले और लार्ड कोडर और लेडीइमकेम्बेल जहाज़ पर आये और हम लोग उनसे रुख़सत हुए डचेज़ और ड्यूक बड़ी मिहरबानी और ख़ातिर से पेश आये और हम लोगों की मिहमानदारी बहुत बढ़ के करते रहे उनके सबब डालकीथ मानो हम लोगों का घर हो गया था इसका शुकर अदा किया ॥

ज्यों ज्यों स्काट्लैन्ड का सुंदर किनारा आंखों से ग़ाइब होता जाता था ऐसे दिलचस्प और दिललगी की सैर के ख़तम होने का खेद होता था हम लोगों को यह कभी न भूलेगा ट्राईडैन्ट जहाज़ पर बनिस्बत रायल्जार्ज के ज़ियादा सामान था और बहुत ख़ूबसूरती से सजा था मीरबहर सरईब्रूस एक बूढ़ा ख़ुश मिज़ाज आदमी और कमेन्डरबुलाक और इनके सिवाय तीन और अफ़सर इस जहाज़ पर थे राडामानथस् जहाज़ चंद नौकर और गाड़ियें समेत और शीयरवाटर् जहाज़ जिस्पर लार्डलिवरपूल और लार्डहार्डविक्र सवार थे कलही रात को खुल गया ॥

सैलामान्डर जहाज़ जिसपर एनसन् साहिब और उनकी बीबी सवार थीं और फ़ीयरलेस् और रायल्जार्ज हम लोगों के साथ ही खुले मगर

हवा मुवाफ़िक़ न थी इस लिये रायल्जार्ज निगाह से ग़ाइब हुआ फिर थोड़ी देर में और सब जहाज़ भी पीछे रह गये केवल मानर्क जहाज़ ने साथ न छोड़ा वह "जेनरल स्टीमनैवीगेशन कम्पनी,, का है और उस पर घोड़े थे टान्टेलन् के पुराने क़िले का खड़हर समुद्र के क़िनारे पर बास़राक् से मिला हुआ है बासराक् पर समुद्र की गल नाम मुर्ग़ाबियें और टापू की बतकें चारों तरफ़ ऐसी छा गयी थीं कि बिलकुल सफ़ेद हो गया था॥

दो बजे प्रसिद्ध सैन्टऐब्सहेड को देखा जिसके पहिले मर्तबा छुट जाने का अफ़सोस था मारमिअन् नाम किताब खोल कर मैंने चंद शेर जो उसमें संसारत्यागी औरतों के हाल में हैं पढ़े इन औरतों ने होली टापू तक समुद्र की राह सफ़र किया था और फिर उसी टापू पर एक संसार त्यागियों के रहने के मठ के टूटे फूटे निशान को अपनी आंख से देखा तब इसके बाद बेम्बरा का क़िला और फिर्नी टापू नज़र आया पहिली मर्तबा जिस दिन हम लोग इधर से गये थे उसकी पहिली रात को बेचारा ऐसडार्लीङ्ग मर गया था यह ख़बर सुन कर अफ़सोस हुआ॥

शुक्र, सितम्बर १६॥

जहाज़ के अंदर ख़बर पायी पांच बजे सुबह को हम लोग फ्लाम्बराहेड से आगे बढ़ आये हैं ब्लाकईग्ल नाम धूंएं के जहाज़ को साढ़े आठ बजे रात को छोड़ आये थे और अब जहाज़ के सहन पर निकलने के वक़्त तक सिर्फ़ उसका धूंआं नज़र आया साढ़े नव बजे आलबर्ट के बाद में भी सहन पर आयी आज का सुबह बहुत साफ़ औ चमकीला था हम लोगों ने कुछ क़हवा पिया और टहलते रहे अब हम लोग किनारे से बाहिर अथाह समुद्र में आ गये थे तमाम दिन साफ़ था पांच बजे

राडामेनयस् के नज़दीक आये वह आज दिन भर नज़र आया किया है साढ़े पांच बजे जहाज़ के सहन पर निशान औ झंडियों का एक छोटा सा ख़ेमा बना कर उसमें हम लोगों ने बड़े मज़े से खाना खाया पौने छ के क़रीब यारमथ से आगे बढ़े यह जगह बिलकुल बराबर बट्टाढाल थी आलबर्ट ने देख कर कहा कि यह फ्रेम् नगर सा मालूम होता है सुंदर चांदनी खिली हुई समुद्र पर झलक रही थी इसको सराहते हुए हम लोग सहन पर टहल रहे थे ॥

साढ़े सात बजे जहाज़ के अंदर गये "दीले आफ़दिलास्ट मिन्स्ट्रेल,, नाम किताब के चौथे और पांचवें शेर को पढ़ कर आलबर्ट को सुनाया और फिर पियानो बजाया ॥

शनीचर, सितम्बर १० ॥

तीन बजे सुबह को तोपों की धमक से नीद खुल गयी पर यह आवाज़ नागवार न थी क्योंकि नदी के मुहाने पर मुक़ाम नौर में पहुंच गये थे छ के क़रीब सुना कि अभी हम लोग राडामैनयस् छोड़ आये हैं और सैायइन्ड पर जहाज़ रुका है कि ब्लाकईग्ल साथ हो जाय आज का दिन साफ़ पर कुछ कुछ कुहासा भी था ॥

नदी पर जहाज़ चलता हुआ भला मालूम होता था दस बजने के दस मिनट बाद हम लोग किश्ती से ज़मीन पर उतरे डचेज़नाफ़ौक और मिस्मैटिल्डापैगेट् और इक्केरी लोग यहां पर मौजूद थे मगर दूसरों का पता न था सरजेम्सक्लार्क ट्राईडेन्ट जहाज़ में हम लोगों के साथ थे स्टेशन् में जाकर रेल गाड़ी पर सवार हुए और साढ़े बारह बजे विंज़र क़िले में पहुंच गये ॥

॥ ब्रेयरएथोल की सैर ॥

सोमवार सितम्बर ६, १८४४ ॥

पौने छ बजे उठे हाज़िरी खायी अम्मा रुख़सत होने आयीं ऐलिस् और बाबा * को लोग ले आये कि यह भी सफ़र जाते हुए हम लोगों से मिल लेवें इसके बाद अच्छा बर्टी † मुलाक़ात को आया और विकी ‡ चलने के लिये छटपटा रही थी सात बजे विकी को साथ लिये वाईकोन्टेस्केनिंग और लेडीकेरोलाइनकाक्स् § समेत रेल गाड़ी पर सवार हुई ओस के सबब से सुबह को बहुत नमी थी पैडिंगटन् में रेल से उतर कर गाड़ी पर सवार होकर नौ बजे उलविच पहुंचे रिनविक || नाम एक नौकर ने विकी को ख़बरदारी औ ख़ैरियत से किश्ती पर पहुंचाया लार्ड लिवरपूल और लार्डऐबर्डीन और सरजेम्सक्लार्क हम लोगों को जहाज़ पर मिले सररावर्टपील हमराह जाने को थे मगर उनकी छोटी लड़की बहुत बीमार पड़गयी इस लिये रह गये ॥

ब्रेयरएथोल, बुध, सितम्बर ११ ॥

छ बजे मालूम हुआ कि हम लोग दन्डी के बंदर में आये हैं आलबर्ट ने दूसरे हमराही साहिबों से मुलाक़ात की वह रास्ते में बहुत ख़राब हुए थे मंगल की रात को वे सब एक बड़े भारी तूफ़ान में पड़

---

* यह बाबा शाहज़ादा आलफ्रेड था उसकी उमर तब एक महीने सात दिन की थी।

† इसी नाम से शाहज़ादा वेलस हमेशा घर में पुकारा जाता है।

‡ महाराणी की बड़ी बेटी विकटोरिया।

§ अब यह लेडी सी कोर्ट्ने हो गई।

|| अब इसको पिनशन् मिला है सन् १८५४ ई० में इसकी तरक्क़ी हुई है यह नौकर बहुत नेक और ग्लेंशिप्न का रहनेवाला है।

गये थे दन्डी बड़ा भारी मुक़ाम है और यहां का बंदर बड़ा और कुशादा है शहर बड़े मौक़े पर है मगर ख़ास शहर इतना सुंदर नहीं है प्रावोस्ट और २ लोगों ने जहाज़ पर आकर अर्ज़ की अभी थोड़ी देर बाद कनारे पर उतरना चाहिये और इसका बंदोबस्त बख़ूबी कर लिया गया साढ़े आठ बजे हम लोग और विकी और हमराही बीबी और साहिब बजरे पर सवार हुए समुद्र साफ़ और नीला था नाव बहुत ख़ूबसूरती से पाव मील तक गयी ॥

कनारे पर उतरने के लिये एक चह सुर्ख़ कपड़े से मढ़ा हुआ तैयार था और बहुत से लोग जमा थे पर इन्तिज़ाम ऐसा उमदा था कि हुजूम न होने पाया मजिस्टर लोग चह के नीचे सब के साथ थे हम आलबर्ट का बाज़ू पकड़े और विकी उनकी उंगली थामे चह पर से उतरे लोग ख़ुशी की आवाज़ बराबर गाड़ी तक देते गये प्यारी विकी बड़े आदमी की तरह ज़रा भी न घबरायी और न डरी और न दिक़ हुई हम लोग अपनी डाक गाड़ी पर सवार हुए रिन्विक् ने फ़ौरन विकी को गोद में उठा कर दूसरी गाड़ी में उसकी अतालीक़ और अन्ना के साथ बिठा दिया ॥

दंडी में बहुत लोग जमा हुए थे पर इन्तिज़ाम ख़ूब था भीड़ मुत्लक़ न होती अगर लोगों ने इस आदत को छोड़ दिया होता कि जो एक २ दफ़ा बीस बीस आदमी गाड़ी के पीछे दौड़ते थे और फिर ख़ाहमख़ाह और बहुत से उनके साथ जमा हो जाते थे दंडी से आगे तीन मील पर लार्डकैम्पर्डौन् के मकान के फाटक पर ठहरे यहां फूल पत्तों का एक फाटक बना था और लेडीकैम्पर्डौन् और लेडीडंकन अपने छोटे लड़के और २ लोगों के साथ इस्तिक़्बाल के लिये तैयार थे यह सब लोग बड़े सुशील और नम्र थे हाईलैन्ड की सुंदर पोशाक पहिना कर उस छोटे

लड़के को लोग विकी के पास लाये और उसने एक फल फूल की चंगेर विकी को नज़र की आलबर्ट से मैंने कहा कि विकी को देख कर मुझे अपना बचपन याद आ जाता है कि किसी वक़ में मैं भी एक छोटी सी शाहज़ादी थी यह बिलकुल भूल जाता है कि हमारी लड़की भी सफ़र में साथ है आलबर्ट बोले कि हां ठीक है बच्चों से मा बाप को अपने बचपन का ऐसाही ख़याल आ जाता है कि मानों अपनीही बचपन की उम्र फिर आ गयी है और जब तबीअत में ऐसी बात आती है मन को बड़ा आनंद होता है ॥

यहां से कूपरऐङ्गस तक खेती बहुत अच्छी है और पहाड़ दूर दूर नज़र आते हैं पैदावार बहुत अच्छी है और इंगलिस्तान के बनिस्बत यहां पेड़ ज़ियादा ताज़े और हरे हैं ऐसे आराम का सफ़र और ऐसी सुंदर सैर फिर नसीब होनी सहज नहीं है यहां की बातें इंगलिस्तान में नहीं पायी जातीं यहां सब मकान पत्थरों के बने हुए लोग औरही तरह के उनके भूरे बाल और गाल के हड्डु निकले हुए और लड़कों के बाल लंबे और सुर्ख़ और उनके पैर नंगे और छोटे बच्चे घुटने तक कुर्ते पहिने हुए दिखायी देते थे डंकेल्ड के नज़दीक और भी ज्यों ज्यों हाईलैंड के मुल्क में आगे बढ़िये और भी ज़ियादा ख़ूबसूरत शकलें देखिये कुर्ती जो लड़कियां पहिनती हैं भली मालूम होती हैं और मर्द औरत और लड़के सब के सब ख़ूंब तनदुरुस्त हैं ॥

कूपरऐङ्गस एक छोटा गांव दंडी से चौदह मील पर है और यह पर्थशायर की सरहद है आइला नदी के पार उतरे आइला के नाम से मुझे आइला नाम अपना बेचारा छोटा कुत्ता यांद पड़ा पांच छ मील तक हम लोग एक अड़बड़ पर रमनीक़ राह से कि जिसके एक ओर

ग्रेमपीअन् का पहाड़ नज़र आता था चले गये बर्नम् का जंगल और नदी के दूसरे तरफ़ बहुत सुंदर दून के दर्म्यान सरडब्ल्युस्टूअर्ट का मकान देखा बराबर पहाड़ नदी और दून की सुंदरता अद्भुत थी आलबर्ट ने पर्ब्बतों की शोभा और शुद्ध पवन से सृष्टि के बहार का मज़ा ख़ूब उठाया ॥

टे की गहरी नदी पर डंकेल्ड दूर से दिखायी देता था और ज्यों ज्यों पुल और ऊंचे ऊंचे पेड़ों से हरे भरे पहाड़ों से घिरे हुए गिर्जा घर नज़दीक आते जाते थे असीम शोभा का प्रकाश होता था डंकेल्ड की एक छोटी और बहुत साफ़ सराय में उतरे कि जिसमें विक्टी शोरबा पीलेवे खिड़की से सैर उमदा दिखायी देती थी विक्टी उस पर खड़ी होकर लोगों का सलाम लेने लगी इसका सा पक्का मुसाफ़िर दूसरा न होगा अपनी गाड़ी पर मामूल से सोती थी शोर गुल होने से या भीड़ के देखने से न घबराती और न डर्ती बल्कि ख़ुश होती और खेलती और दिल्लगी करती कभी रात को लंगर की आवाज़ उसके कान में न पड़ती वह ख़ूब गहिरी नींद से सोती रहती ॥

डंकेल्ड को जो ब्लेयर से २० मील पर और कूपरऐङ्गस से १५ मील पर है छोड़ कर थोड़े ही दूर बढ़े थे कि लार्डग्लेनलियन् एक गाड़ी पर सवार मिले वह हम लोगों को देखतेही फ़ौरन् कूद पड़े और घोड़े पर सवार होकर ब्लेयर तक बराबर साथ आये सड़क बहुत अच्छी थी छ मील आगे बाईं ओर जंगलों के दर्मियान किनेयार्ड का मकान देखा वहां लेडीग्लेन्लियन् अर्थात् लार्डग्लेन्लियन् की मा जिनको मरे दो तीन महीने हुए रहती थीं इसके बाद लोगियेराट् के पहाड़ पर एक पुराने क़िले का खंडहर देखा वहां एथोल के ड्यूक लोगों का शाही दरबार होता था

मोलमीएर्न गांव में एथोल का बना हुआ एक तरह का खाना चक्खा जो गाड़ीही पर लोग लेआये थे॥

पीटलोकायर नाम एक छोटे गांव में होकर गये बाईं तरफ़ तब डकफ़ासकेली नाम एक बहुत उम्दा जगह है वहां से होकर क्लियक्रैङ्काई के बड़े भारी घाटे में आये इसमें सड़क पेचदार है और दूर तक दोनों तरफ़ जंगलही जंगल नज़र आता है और नीचे से गारी नदी बहती है इस नदी की शोभा बयान से बाहर है आलबर्ट उसे देखकर निहायत खुश हुए दाहिनी तरफ़ मिकिनराय साहिब की जगह बहुत खूबसूरत हैं क्लिीयक्रैङ्काई के घाटे से ब्लेयरएथोल सिर्फ़ चार मील पर है लार्डग्लेन्लियन् ने एक नई राह बनवाई है उनका मकान पहाड़ों के दर्मियान एक सादा सफ़ेद बड़ा सा बना है खिड़कियों से बखूबी पहाड़ नज़र आते हैं लार्ड और लेडीग्लेन्लियन् ने अपने छोटे लड़के को साथ लिये दरवाज़े पर हम लोगों का इस्तिक़बाल किया और रहने के कमरों को बतलाकर आप चले गये॥

ब्लेयर का क़िला और ब्लेयर एथोल, बृहस्पत, सिप्तम्बर १२॥

दो घंटे तक हम लोग टहलने को बाहर निकले मकान के बाहर जंगल खूब है उसके देखने से ताज़गी होती है और वहां से निकलतेही चारों तरफ़ पहाड़ और बाईं तरफ़ बिगड़ी हुई सैरगाहें दिखलाई दीं और फिर जंगलों में एक तेज़ बहती हुई नदी के कनारे कनारे गये स्काटलैन्ड की ऐसी नद्दियां पत्थर के ढोकों से भरी हैं और इनमें पानी आइने की तरह साफ़ रहता है बहुत सुंदर दिखलाई देती हैं और पेड़ों के बीच बीच में खुला हुआ होना और उनके घने साये और काई लगे हुए स्लेट वगैरः पत्थर जो नदी के कनारे बराबर पड़े हैं बहुत मनोहर

मालूम होते हैं जिधर फिरो एक तसवीर का समा दिखलाई देता है हम लोग ऊंचे तक गये पर चोटी पर पहुंच न सके आलबर्ट मारे खुशी के ऐसे होगये थे कि उस वक़ उनका खुशी का चिहरा देखने लाइक़ था हम लोग एक ऊंची राह से लौटते हुए गोदामवाले के मकान पर आये इस्से भी ऊंचे पर पहुंचे जहां लेडी और लार्डग्लेन्लियन् अब रहते हैं और ब्रेयर का मकान हम लोगों के लिये छोड़ दिया है पैदल टहलते हुए एक अनाज के खेत में गये बहुतसी औरतें जई काट रही थीं साम्हने पहाड़ों की खूब सैर थी देहात की कैफ़ियत पूरी थी और विंजर की सुंदर सैरगाह से जो हमारे हर रोज़ के टहलने की है कैसी बिरुद्ध है आब हवा यहां की कुछ औरही तरह की है ऐसी अच्छी है कि आलबर्ट ने कहा यहां आने से ताज़गी बहुत दिनों के लिये हो जाती है इसके बाद हम लोग तरकारी के बाग़ में आये यहां की सैर अनोखी है ईश्वर की सृष्टि और मनुष्य की रचना दोनो इकट्ठा होकर खूबसूर्ती का कमाल दिखलाती हैं ॥

ग्लेन्टिल्ट के टून से एक जंगल के दर्मियान होकर जहां टिल्ट नदी बहती है हम लोग चले चार बजने के कुछ पहिले आलबर्ट हम को संग लिये टांघन जुते हुए फ़ेटनगाड़ी पर सवार हो बाहिर निकले और छ बजे तक हम लोग सैर करते रहे हक़ीक़त में इस तरह पर किसी के साथ टांघन की गाड़ी पर सवार होकर सिर्फ़ पांच मील के अंदर जंगल औ पहाड़ों की ऐसी सुखदाई सैर हम लोगों ने नहीं की थी टिल्ट नदी गारी नदी से जाकर मिली है जंगल के बाहर आते हुए मनोहर सैर नज़र आने लगी ठीक साम्हने ही बेनीघ्रो का पहाड़ था ऊंचे पहाड़ों के तले टिल्ट नदी पत्थर से टकराती और पेच खाती बह रही थी पहाड़

औ टीलों की जड़ों में ख़ूबसूरत पेड़ लगे हुए थे धूप छिटकी हुई थी हवा साफ़ चल रही थी चमत्कार शोभा दिखाई दी उसका किसी तहर बयान नहीं होसक्ता और न उसकी कैफ़ियत दूसरों पर ज़ाहिर की जा सकती है ॥

ईश्वर की सृष्टि की सुंदरता का पटतर नहीं है यही आनंद का घर है आलबर्ट को इसका बड़ा मज़ा है यह सब देखकर उनका चित्त आनंद में लय होगया यह शौक़ उन्होंने अपने प्यारे बाप से पाया है ॥

हम लोग मार्बललाज में एक चरवाहे के मकान तक जाकर फिरे ॥

सोमवार, सिप्रम्बर १६ ॥

साढ़े तीन बजे नाश्ते के बाद आलबर्ट और हम गाड़ी पर सवार होकर ब्रूअर के झर्ने तक गये लार्डग्लेनलियन घोड़े पर सवार साथ रहे झर्ने के उत्तर और साम्हने की सड़क पर पैदल टहलते रहे तीन मील का चक्कर पड़ा रास्ता बड़े चढ़ाव का था जिधर देखो पानी की चादर झोंक से गिरती हुई बहुत भली मालूम होती थी पीछे की तरफ़ पहाड़ धूप से सुंदर रौशन और नीचे नदी बेग से मनोहर बहरही थी तमाशा देखने के लिये पानी में हम लोगों ने पत्थर फेंका झर्ने के चारों तरफ़ जो पेड़ लगे हैं उनको ड्यूक एथोल ने बर्न की दरख़ास्त पर लगाया है शामका वक़्त बहुत सुंदर था गाड़ी चली जाती थी दून और पहाड़ नए २ नज़र आते जाते थे आंखों को सुख होता था आलबर्ट ने कहा कि पहाड़ों की सैर इसीतरह की ख़ूब होती है कि हरदम नई २ तरह से दिखाई दें छ बजे घर आए ॥

मंगल, सिप्रम्बर १० ॥

पौने चार बजे आलबर्ट और हम एक गाड़ी पर और सब लेडी और लार्डग्लेनलियन् दूसरी गाड़ी पर सवार हुए क्रीयक्रैङ्काई के घाटे तक

गये अपूर्व शोभा इसकी देखी और ऐसा बंद मालूम हुआ कि निकलने की राह नहीं सूझ पड़ती थी दाहनी ओर गाड़ी एक पुलपर होके गई घाटे के दोनो तरफ़ की सैर बहुत अच्छी थी गारी नदी नीचे बहती हुई बहुत सुंदर मालूम होती थी इस्से थोड़ी दूर आगे बढ़कर टमेल के झर्ने तक एक मील पैदल गये इस झर्ने की नदी सैमन मछली के लिये मशहूर है यहां का झर्ना ब्रूअर झर्ने के समान सुंदर और ऊंचा नहीं है साढ़े छ बजे फिर आए दिन अस्त होता था और रोश्नी की तेज़ी मिटकर भली मालूम होने लगी थी ॥

अपनी खिड़की के नीचे ही दो बारहसिंघों को लड़ते हुए देखा एक हाते में रहते हैं और हमेशा आवाज़ किया करते हैं ॥

बुध, सितम्बर १८ ॥

नौ बजे आलबर्ट एक सुरंग टांघन पर और मैं सब्जे टांघन पर सवार हुई कि चलकर एक पहाड़ के ऊपर चढ़ें सिर्फ़ लार्डग्लेनलियन् का एक बहुत अच्छा नौकर सैन्डीमैक्आरा नाम हाईलैन्ड की पोशाक पहिने साथ चला सड़क के पार जाकर बाईं तरफ़ पानी मिला हलकर पार उतरे सैन्डी मेरे टट्टू का लगाम पकड़े आगे आगे जाता था और आलबर्ट पीछे पीछे उसी के चले आते थे पानी सैन्डी के घुटनों तक था बाद इसके एक कड़ा रास्ता गोभी के खेतों में होकर आया फिर एक फिरवट् की राह से टूलोक की चोटी पर चढ़ गये चोटी पर पहुंचे शाबाश टांघनों का पैर ज़रा न बहका चारों तरफ़ धूप की रोश्नी से एक कैफ़ियत थी सब के ऊपर उस चोटी तक गये जो नीचे से नहीं दिखाई देती है यहां से सब चीज़ तसवीर के समान नज़र आती है देखो ब्रूअर का झर्ना और बेनीचाट और बिनब्रेकाई और बेनीग्लो के पहाड़ और क्रीयक्रैङ्गाई का

घाटा और दूसरी ओर बराबर पहाड़ों की क़तार यह सब कैसे सुंदर नज़र पड़ते हैं नीचे से यह कैफ़ियत कहां टेमथ की तरफ़ डाल्नाकार्डाक भी नज़र आया वह ब्रेयर से एक मंज़िल पर है और ख़ास ब्रेयर और देहात के गांव इतने ऊंचे पर से छोटे छोटे खिलौने की तरह मालूम होते थे विचित्र तमाशा देखा यहां केवल यह हाईलेन्डर पीछे २ चला आता था जहां हम उतरते थे टांघनों को थामता था हम लोग दो दफ़ा उतरे औ पैदल चले और सिवाय इस मुल्क के सुंदर सींघवाली काले मुह की भेड़ियों के और कोई जानदार वहां न था और न कोई मकान पास था सुंदर पहाड़ों के दर्मियान टूलोक की चोटी पर हम लोग सैर कर रहे थे ॥

जिस राह से गये थे उसी राह लौट चले और उसी हलान पर ठहर कर टांघनों को पहिले पानी पिलाया तब पार हुए साढ़े ग्यारह बजे डेरे पर पहुंचे फाटक के अंदर से पैदल हो लिये आज की सी ख़ुशी की सवारी और सैर कभी नहीं हुई थी मैं ऐसे पहाड़ पर कभी नहीं चढ़ी थी और दिन भी कैसा साफ़ था टूलोक का पहाड़ घासों से ऐसा ढंपा था कि गोया उसपर मख़मल् का बिछौना बिछा था ॥

बृहस्पत, सिप्रम्बर १६ ॥

नाश्ते के बादही आलबर्ट हिरन के शिकार को निकले मुझे भी जा कर पहाड़ की तराई में ठहर कर देखना था कि हिरन का हंकवा किस तरह पर होता है इसलिये चार बजे लेडीग्लेनलियन् और लेडीकैनिंग के साथ में गाड़ी पर सवार होकर ग्लेन्टिल्ट् के नीचे जाकर ठहरी और आसवाल्ड साहिब और लार्डचार्ल्सवेल्सली घोड़े पर सवार हमराह थे जंगलों में बिल्कुल सन्नाटा था और सैन्डी ताक लगाये ख़बरदार था

थोड़ी देर बाद गाड़ी से निकल आये और सड़क पर से पहाड़ के ऊपर चंद हिरन नज़र आये फिर हम लोग ज़मीन पर बैठ गये और हम और लेडीकैनिंग नक़शा खींचने लगे और सैन्डी और आस्वाल्ड साहिब ने घास पर बैठकर दूरबीन लगायी यह दोनो शख्स् हाईलैन्ड की अमौआ रंग की कुर्ती घुटने तक पहिने और हाईलैन्ड की टोपी दिये थे फिर थोड़ी देर चुप चाप रहने के बाद लोगों ने कानो कान इशारे से ख़बर दी कि हिरन वह आते हैं तब झुंड के झुंड नज़रही तो आये और दूर तक नीचे उतरे इतने में बड़ा ग़ज़ब हुआ कि दो आदमी सड़क पर से एका एक चले आये झुंड ने उलटी चौकड़ी लगायी और सारा खेल ख़राब हुआ थोड़े अर्से में आलबर्ट और लार्डग्लेनलियन् और बनरखे पहाड़ के ऊपर नज़र आये हम लोग गाड़ी पर सवार होकर थोड़ी दूर बढ़ कर पुल पर पहुंचे यहां एक चरवाहे के रहने की जगह है गाड़ी से निकल कर ठहरे रहे कि वे लोग भी आ मिलें और वे जल्दही आये इन लोगों की शिकारी शकल बंदूक हाथ में लिये हुए क़ाबिल तसवीर खींचने के थी मेरे आलबर्ट बेचारे ने इस ख़याल से कि सारा खेल बिगड़ जायगा एक भी आवाज़ नहीं की थी बल्कि ख़ूब दौड़ धूप में रहे थे बनरखों के ग़ोल और कुत्तों का झुंड भले मालूम होते थे ज़रा बात चीत करके हम लोग कुछ दूर पैदल गये और फिर आलबर्ट हम सब लोगों के संग गाड़ी पर सवार होकर डेरे पर पहुंचे ॥

सनीचर, सितम्बर २१ ॥

हाज़िरी खाने के बाद आलबर्ट ने लार्डग्लेन्लियन् से मुलाक़ात की और यह सलाह ठहरी कि आलबर्ट हिरन के शिकार को चलें और मैं भी तमाशा देखूं ग्यारह बजने में बीस मिनट् बाक़ी रहे हम लोग लेडी

केनिंग के साथ गाड़ी पर सवार होकर ग्लेनटिल्ट् की तरफ़ गये दिन आज का बहुत साफ़ अफ़सोस है कि मुफ़ में निकल जाय दिन भर सख़्त मिहनत का बेशक् काम था पर इसके साथ खुशी भी बेहद थी कि मुझ को आजही यह नसीब हुई और अगर अ.लबर्ट के साथ रहने पाती तो और ज़ियादा कैफ़ियत देखती ॥

हम लोग पीटर फ्रेज़र के मकान तक जो मार्बललाज और फ़ारिस्ट-लाज के बीच में है गाड़ी पर पहुंचे और आलबर्ट और हम उतर कर ज़रा इधर उधर टहले बाद इसके लेडी और हम सब लोग अपने अपने टांघन पर सवार होकर शिकार को चले लार्डग्लेन्लियन् सारी राह मेरे टांघन को थाम्हे हुए और पीटरफ़्रेज़र बनरखों का सर्दार कि आदमी बहुतही चालाक था राह बतलाता जाता था सैन्डी और दूसरे छ हाई-लैन्डर बंदूकों को लिये हुए कुत्तों को हांकते चलते थे और पीछे दो टांघन पर नाश्ते का संदूक् था लौली * नाम आलबर्ट का नौकर भी उनकी एक बंदूक् लिये साथ था और दूसरी बंदूक् लौली की मिहनत बचाने के लिये आलबर्ट ने अपने दाहिने कंधे पर रख ली थी इस सामान से पहाड़ों में घूमते घामते हम लोग चले उन पहाड़ों की खूबसूर्ती दिल पर तसवीर सी खिंच गयी ज्यों ज्यों ऊपर चढ़े चारों तरफ़ की सैर और भी अद्भुत् नज़र आयी दिन बड़े मज़े का था मगर धूप कड़ी थी बनीग्लो पहाड़ की सब से ऊंची चोटी को देखा वह नीचे से दिखाई नहीं देती और वह दूर के पहाड़ों की क़तार जो टूलोक से नज़र आई थी ज़रा कुहिरा हो जाने के कारण हल्की रोश्नी में यहां से और भी खूबसूरत

* बहुत खूब आदमी है अपनी बीमारी से लाचार होकर सन् १८४८ में इस काम को छोड़ दिया पीछे से इसको पेंशन का उहदा मिला और नवम्बर १८६५ में मरगया ॥

दिखाई दीये लाकवाक पहाड़ भी नज़र आया रास्ता बहुत अच्छा था और आज दिनभर धीरे बोलते रहे जिसमें हिरन आहट् पाकर खटक न जांय हवा मुआफ़िक़ थी और यहां इसी के ठीक रहने से हिरन का सारा खेल बनजाता है अफ़सोस कि कोई मुसव्विर साथ न हुआ नहीं तो हमारे जमाअत की तसवीर बहुत सुंदर खिंचती क्योंकि पीछे की ओर जो पहाड़ थे उनकी शोभा तसवीरही खींचने लाइक़ थी क्या कहूं मुझे भी मुहलत् न मिली ॥

ध्रियेनान की चोटी पर हम लोग ठहरे वहां से नीचे की तरफ़ देखने से झांई मालूम होती थी इसी जगह पर उक़ाब अर्थात् गरुड़ पक्षी कभी कभी आ बैठते थे आलबर्ट सब चीज़ देखकर आश्चर्य सा करते रहे और थोड़ी देर पैदल फिरकर अपने टांघन पर सवार हुए इसके बाद हम लोग केर्नक्रेमेन की चोटी पर पहुंचे और यहां से अलग हुए आलबर्ट पीटर और लौली दो बनरखों के साथ शिकार को गये और लेडी-केनिंग और लार्डग्लेनलियन् और हम पहाड़ की चोटी पर चढ़ गये वहां बहुत गहरी काई लगी थी हम लोग कुछ देर बैठे हुए नीचे के टांघन की तसवीर खींचते रहे लार्डग्लेनलियन् और सैन्डी पास रहे सैर बहुत उम्दी थी चारों तरफ़ पहाड़ही पहाड़ नज़र आते थे और बिलकुल सन्नाटा छा रहा था इस्से जी प्रसन्न हुआ मारफ़ारेस्ट पहाड़ की क़तार और निगाह के साम्हने स्कारसाक़ की क़तार नज़र आयी पर्थ और ऐबर्डीन और इन्बर्नेस् की कौन्टी यहां पर मिल गई हैं मेरा टांघन आया और हम लोग इस ऊंची चोटी पर से उतर कर आलबर्ट से मिलने को चले वह भी हमारी तरफ़ आते हुए दूर नज़र आये जल्दही हम लोग मिले अफ़सोस आज ख़ाली फिरे कोई शिकार हाथ न आया घास

पर बैठ कर कुछ नाश्ता किया और थोड़ी देर आलबर्ट के साथ टहल कर टांघन पर सवार हुए घर की तरफ़ आते हुए कई हिरन ग्लेनक्रोराइन् पहाड़ पर जिसको सैंक्टम् कहते हैं नज़र आये लोग कहने लगे कि यहां हिरन बहुत हैं आलबर्ट झट्पट् शिकार की तलाश में गये और हम लोग स्रोनएक्रो पहाड़ पर एक घंटे तक ठहरे रहे लार्डग्लेनलियन् ने कहा कि यहां हम लोगों के बैठने से हिरन आलबर्ट की तरफ़ फिरे चले जायंगे और अगर हम लोग आगे बढ़ चलें तो बिलकुल खेल ख़राब होगा कहना उनका सही था साम्हने पहाड़ पर आलबर्ट आहिस्ते आहिस्ते चलते हुए दूर से बहुत छोटे से मालूम होते थे चार ग़ोल हिरन के निकले उनमें दो ग़ोल हम लोगों के नज़दीक से गये बहुत सुंदर मालूम हुए ॥

इतने में सूरज डूबता हुआ नज़र आया मुझे डर हुआ कि हम लोग अंधेरे में पड़ जांयगे घबरा के सैन्डी को बुलाया वह सब के फिरने का इशारा करने को गया था उसके आने पर पहाड़ से उतरने लगे टांघन जैसा चाहिये क़दम ठहरा कर उतरने लगा ज्यों ज्यों सूरज अस्त होता था शोभा अधिक होती थी आसमान सुर्ख़ सुनहरा और नीला होगया और पहाड़ों का रंग बैंगनी और लाल हुआ और क्रम से सब रंग बदलता हुआ सुंदर हलका पड़गया और पहाड़ों की धार तीखी मालूम होने लगी और अंत को सूरज बिलकुल अस्त हुआ मैंने ऐसी सुंदरता कभी नहीं देखी थी जल्दही बड़ा अंधेरा होगया ॥

आख़िर को आलबर्ट आपहुंचे और कहा कि देर तक मैं तुम लोगों के लिये पहाड़ पर ठहरा था क्योंकि उनको मालूम था कि मुझे उनकी फ़िक्र किस कदर थी अफ़सोस कि कोई शिकार हाथ न लगा जब मौक़ा

हुआ उसी वक्त रंजक ने धोखा दिया पर आलबर्ट के चिहरे से किसी तरह का रंज ज़ाहिर न था कुशल से हम लोग पुलतक उतर आये पहाड़ की तराई में पहुंचते हुए बिलकुल अंधेरा होगया था लेकिन हमारे टांघन के क़दम कहीं नहीं बहके मार्बेल्लाज तक पैदल जाकर खूब साफ़ चांदनी में टांघन की गाड़ी पर सवार हुए चांद्र की रोश्नी में सब चीज़ बहुत प्यारी मालूम होती थी पर सड़क को देख जी कांपता था ॥

स्रोनऐक्रो की चोटी पर सफ़ेद टारमीगन और बत तीतर आदि उड़ते हुए नज़र आये पौने आठ में घर पहुंचे ॥

मंगल, अक्तूबर १ ॥

सवा आठ बजे कूच किया ब्रेयर और प्यारे हाईलैन्ड के छोड़ने का बड़ा मोह लगा यहां की अदनी अदनी चीज़ और एक एक जगह से मुझ को महब्बत हो गयी थी दिन कैसे सुख चैन से कटे हर चीज़ कैसी प्यारी मालूम होती थी और सब हाईलैन्डर और दूसरे लोग जो साथ गये थे उनसे दिल कैसा राज़ी रहा हा प्यारे पहाड़ो तुम्हे छोड़ जाने का मुझ को बड़ा रंज है ॥

लार्डग्लेन्लियन् हम लोगों के साथ घोड़े पर सवार हुए और क्ली-यक्रैङ्काई और पीटलोक्राई होकर लोगिरात आदि देखते हुए जिधर से आये थे उसी राह फिर चले ब्रेयर से आते हुए और घाटी के इसी तरफ़ बाईं ओर क्लीयकरैङ्काई की लड़ाई का मैदान था और डंडी और आरार्ड के मैदान के पासही जिसको पहिले रीनरोरी कहते थे वह बाग़ है जहां लार्ड डंडी को गोली लगी थी अब यह जगह अरार्डवाले स्टूअर्ट साहिब की है और पहिले स्टूअर्ट का ख़ान्दान क्रेग अरार्ड पर रहता था साढ़े ग्यारह बजे हम लोग डंकेल्ड में पहुंचे आसवाल्ड और पैट्रिक स्मालकेर

साहिब हाईलैन्ड की एक फ़ौज लिये यहां हाज़िर थे डंकेल्ड के मकान के दरवाज़े तक गाड़ी गयी हम लोग उतरे यह मकान बड़े मौक़े पर था खिड़कियों से नदी की सैर बहुत भली मालूम होती थी ब्रेयर से चलते हुए बाईं तरफ़ क्रेगीबार्नस् के टीले बहुत ख़ूबसूरत नज़र आये॥

हम लोगों ने पैदल जाकर उस नये मकान को जितना बनना शुरू हुआ था देखा इसे ड्यूकएथोल बनवाते थे उनके मरने पर नातमाम रह गया और एक सुंदर लार्च का पेड़ भी देखा जो स्काटलैन्ड में पहिले लगाया गया है आरघाइट्भीन* नाम टांघनपर मैंने यह अख़ीर सावारी फिरते वक़ की और बड़े अफ़सोस के साथ इसे और सैन्डीमैक आरा को छोड़ चले पुराने गिरजाघर के खंडहर के अंदर पैदल गये और उस जगह को देखा जिसे साबिक़ ड्यूक ने नमाज़ के लाइक़ बनवांदिया है यहां उनकी सुंदर यादगार बनी है डंकेल्ड का मैदान पल्टन और ख़ेमा बिनां जो पहिले देखा था अब पहिचान नहीं पड़ता था डंकेल्ड का मकान बेशक ख़ूबसूरत है पर ब्रेयर के जंगलों की ख़ूबसूरती को नहीं पाता॥

बारह बजने के बाद फिर हम लोगों ने कूच किया आश्चर्य की बात है कि लार्डग्लेन्लियन् ने दंडी से ब्रेयर तक ५० मील घोड़े पर साथ चलने को कमर बांधी बहुत मना किया गया पर न माना डंकेल्ड से कप्तान् जे मरे भी घोड़े पर सवार हुए ज्योंज्यों आगे बढ़े पहाड़ कम होते गये कूपरऐङ्गस् में बड़ी भीड़ थी और दंडी में यहां से बठ कर और फिर जहाज़ पर चढ़ते हुए लोगों की ठठ लग गयी॥

---

* यह टांघन ड्यूकएथोल ने सन् १८४७ में मुझे दिया था और यह अभी आसबर्न में जीता है॥

लार्डग्लेन्लियन् से रुख़सत् होने के समय आंखों से आंसू निकल आये और उनको भी हम लोगों की जुदाई का बड़ा रंज हुआ उनकासा मिहरबान और मुस्तइद् मिलना मुशकिल था जब हम लोग बजरे पर होकर जहाज़ पर सवार हुए समुद्र में बड़ी लहर थी कि डर मालूम होता था ॥

वृहस्पत अक्तूबर ३ ॥

इङ्गलिस्तान का कनारा बिल्कुल सफ़ा चट था कहीं पहाड़ का नाम नहीं जब मैंने लार्डएबर्डीन् से हाईलैन्ड के प्यारे प्यारे पहाड़ों का ज़िक्र करते हुए कहा कि वहां के सुंदर पहाड़ों में हमारी तबीअत बहुत लगगयी थी और अब उनके बिछुड़ने का बड़ा रंज है लार्ड को भी अफ़सोस हुआ हाईलैंन्ड के लोगों में चंद बातें ख़ूबी की हैं और हक़ीक़त में वहां के लोग बड़े साहसी चतुर और नेक हैं उनके साथ हमारे दिन बड़ी ख़ुशी से कटे वहां की सैर तो रमनीक थी ही पर जंगल और बन में एकान्त और स्वतंत्रता इतनी थी कि दिल का कमल खिल जाता था ॥

दिन आज का साफ़ औ रौशन था लेकिन हवा में भारीपन बहुत था यहां पहाड़ों की हवा कैसी साफ़ हल्की और तेज़ थी दो बजे हम लोग उल्विच् पहुंच कर थोड़ी देर बाद जहाज़ पर से उतरे और सीधी रेल की राह ली चार बजने के दो चार मिनट ऊपर विंज़र के क़िले में पहुंच गये ॥

स्काटलैन्ड के पश्चिम कनारे के चारों तरफ़ फिरने और आर्ड वेरी काई में जाने का हाल ।

बुधवार, अगस्त ११, १८४० ॥

आसबर्न के घर पर से हम लोग जहाज़ पर सवार हुए हमारे दो बड़े बेटे और मेरा भाई चार्ल्स और ड्यूक और डचेज़नार्फोक और लार्डये और लेडीजोसेलीन और जेनरल्वेमिस् और सरजेम्सक्लार्क और मिस्-हिलडियार्ड साथ हुए ॥

नीचे लिखे हुए नामों के धूंएं के जहाज़ संग थे ब्लाकईगल् और गार्लैन्ड और अन्डाइन् और फ़ेयरी और स्कोर्जे दो लड़ाई के जहाज़ और ब्लाकईगल् पर दो इक्केरी सवार थे ॥

हमारे जहाज़ का लंगर उठा और जल्दही आसबर्न निगाह से ग़ाइब हुआ बिचारे लड़के जिनको घर छोड़ आये थे याद आने लगे ॥

"विकटोरिआऔर आलबर्ट" नाम जहाज़, डार्टमथ का बंदर, मंगलवार, अगस्त १२ ॥

आज का हाल बहुत कम है जैसा चाहा था वैसा सफ़र न हुआ फ़ालमथ् मे पहुंचना था सो डार्टमथ् ही में रहगये अफ़सोस हुआ पांच बजे जहाज़ खुला और थोड़ी देर में जहाज़ रुक गया दर्याफ़्त से मालूम हुआ कि कुहासेने इतना छालिया है कि आगे किसी तरह बढ़ नहीं सकते चारनाचार कप्तान् स्मिथेट को गार्लैन्ड पर सवार करा कर भेजा कि हवा पानी की पक्की ख़बर ले आवे उसने थोड़ी देर मे लोट आकर

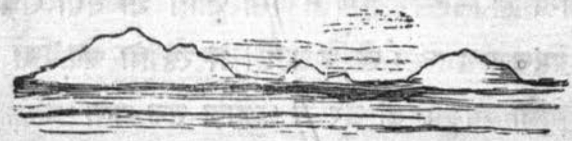
कहा कि नीड्ल्से की खाड़ी के बाहर साफ़ है और हम लोग अभी आलम की खाड़ी में थे जहाज़ खुल गये हाज़री खाने के बाद जहाज़ के सहन पर निकले यहां पर में कुछ काम करती हुई और बेलती चालती रही हमारी तबीअत भी बहुत अच्छी थी एक बजे फिर कोहरा जियादा हुआ और हम लोग डार्टमथ् के बंदर में जल्द फिर आये ॥

"विक्टोरिया और आलबर्ट" नाम जहाज़ मिलफोडहेवन, और दक्षिणवेल्स, सनीचर, अगस्त १४ ॥

आज तीसरे पहर को पांच बजे यहां पहुंचे डार्टमथ् से चलने के बाद जो जो हाल हुआ नीचे लिखा जाता है बृहस्पति के दिन शाम को चार्ल्स के साथ खाना खा कर हम लोग जहाज़ के सहन पर निकले और देखा कि सारे शहर में रोश्नी हुई है समुद्र स्थिर है रोश्नी से ऊंचे ऊंचे मकानों की परछाहीं पानी पर ऐसी पड़ी है कि मानो सब मकान सिर के भल पानी में चले गये हैं बहुत भले मालूम होते थे रात भी स्थिर और साफ़ थी ॥

शुक्र, अगस्त १३ ॥

चार बजे जहाज़ खुले और हम लोग तीसरे पहर को तीन बजे सिली टापू में पहुंचे समुद्र में लहरें थीं बहुत से छोटे छोटे पहाड़ी टापू जिनके दर्मियान हम लोगों के जहाज़ गये थे अजीब तरह के हैं ॥



सेन्टमरे के टापू में जो सब से बड़ा है एक छोटासा क़सबा एक गिर्जा घर और एक बन्दरगाह है ठीक इसके साम्हने ही ट्रेस्को नाम छोटे टापू पर स्मिथ साहिब का मकान है इन्हों ने डची आफ़ कार्नवाल

से लेकर जितने टापू हैं सब का ठीका लिया है आगे बढ़ कर बाईं ओर सेन्टऐग्निस् टापू पर एक रोश्नी का मकान जहाज़वालों को पता बतलाने के लिये बना है ओर उस पर बहुत सी चट्टानें हैं मेरी तबीअत बहुत बीमार थी आलबर्ट ओर चार्ल्स ओर बर्टी एक टापू देखने को गये लड़कों को समुद्र की बीमारी से जल्द फ़ुरसत होजाती है पांच बजने पर जब ओर ओर लोग फिर आये लेडियां ओर साहबों को साथ लेकर हम बजरे पर सवार हुए ओर बन्दर के पार गये समुद्र का रंग नीला था पर लहरें थीं सेन्टमेरी के छोटे घह पर से ज़मीन पर उतरे बन्दर पर स्टार् का पुराना क़िला देखते ही सेन्टहिलीयर्स का बन्दर याद आया स्मिथ् साहिब के टांघन की एक गाड़ी पर चार्ल्स ओर लेडीजोसेलीन के साथ हम सवार होकर एक क़स्बे मे पहुंचे वह मछलियों के शिकार खेलने कीसी जगह मालूम हुई फिर क़िले की दीवारों के चारों तरफ़ फिरे यहां समुद्र के कनारे पर एक सुंदर रास्ता बना है पहाड़ के पत्थर फ़र्न ओर हीद ओर फ़र्ज़ आदि प्रकार की घासों से छुप गये हैं चारों ओर टापू ओर पहाड़ों की सैर दूर दूर तक बहुत सुंदर नज़र आती है यह क़सबा एक बहुत तंग ज़मीन पर है उसके दोनों तरफ़ समन्दर की खाड़ियां आगयी हैं हम लोगों ने उतर कर पुराने क़िले को देखा यह इडवर्ड बादशाह के अ़हद का बना है क़िले के बुर्ज से उमदा सैर दिखायी दी सात बजने से कुछ पहले जिस राह से आये थे उसी राह से घर को फिरे ॥

सनीचर, अगस्त १४ ॥

पांच बजे हम लोग चले जहाज़ ऐसा लहरों के झकोरों में आया कि ख़ौफ मालूम होने लगा मेरी तबीअत फिर बहुत बीमार होगयी लेकिन तीसरे पहर को तीन बजे जब में जहाज़ के सहन पर आयी समुद्र

आइना सा होरहा था वेल्स के कनारे पर हम लोग थे मिल्फ़ोर्डहेवन् का यह बंदर इतना बड़ा है कि उसमे जंगी जहाज़ों की एक बहर समा



जाय मिलफ़ोर्ड में लंगर पड़ा साम्हने पेम्ब्रोक् दूर पर है पहाड़ों की चोटी खैरे रंग की बहुत ऊंची नहीं हैं आलबर्ट और चार्ल्स फ़ेयरी पर सवार हो कर पेम्ब्रोक् में गये मैं नक़शा खींचती रही बहुतसी कश्तियों पर मर्दों की तरह लम्बी और अजीब तरह की टोपी पहने हुए वेल्स की औरतें सवार हो कर आयीं बर्टी बहुत खुश हुआ और लोग भी शाहज़ादे को देख कर मगन हुए पौने आठ बजे आलबर्ट फिर आये ॥

वेल्स की पोशाक पहिने हुए एक साफ़ सुथरी दूधवाली को मेरे देखने के लिये लोग लाये थे जहाज़ के सहन पर निकल कर देखा कि मिल्फ़ोर्ड के सारे शहर में रोश्नी हुई है और खुशी के लिये हर जगह आग जलायी गयी है ॥

ऐतवार, अगस्त १५ ॥

फिर चार बजे हम लोग चले और अब की बेर दिन अच्छा पाया समुद्र बराबर स्थिर था ग्यारह बजने के क़रीब कारनार्वेनशायर का कनारा देखा बिलकुल ऊंचे ऊंचे निकले हुए और उम्दा शकलों के पहाड़ नज़र आये आलबर्ट को इटिलया का मुक़ाम नीले समुद्र और साफ़ आसमान की कैफ़ियत के साथ याद आया ॥

मिनाई खाड़ी के मोहाने पर पहुंच कर हम लोगों ने "विक्टोरिया औ आलबर्ट" जहाज़ को छोड़ दिया और फ़ेयरी पर सवार हुए "विक्टोरिया औ आलबर्ट" जहाज़ औ ब्लाक्ईग्ल् जिसपर से दोनो इस्कोरी हमारे साथ हुए और अन्डाइन् और इस्कोर्ज जहाज़ होलीहेड्

की राह से ऐंग्लीसी के छोटे टापू के गिर्द होकर रवाना हुए श्रोर हम लोग फ़ेयरी पर सवार हुए श्रोर गारलेन्ड को साथ लेकर खाड़ी में आये ज्यों ज्यों खाड़ी के अंदर गये खूबसूरत हरे भरे पहाड़ों की सैर श्रोर स्नोडन की चोटी बीच में सिर उठाये श्रोर नीचे खेत श्रोर जंगलों की बहार उमदा थी बाईं तरफ़ ज़मीन बराबर बट्टाढाल है फिर कारनार्वेन् निगाह के साम्हने आया इसका पुराना भारी क़िला बड़े मौक़े पर बना है थोड़ी देर यहां ठहर गये लेकिन ज़मीन पर नहीं उतरे कुछ देर पहाड़ दिखलायी नहीं दिये फिर दूनी कैफ़ियत के साथ नज़र आने लगे प्लास् न्यूइड के नज़दीक से गुज़र हुआ यहां पंदरह बरस हुए हम लोग छ हफ़्ते तक रहे थे पिछिली बातें बख़ूबी याद आयीं पर जैसा मुझ को ख़याल था उससे अबकी बार यहां की शोभा जियादा पायी ॥

स्विली के नामी पहाड़ नज़र आये रेल की सड़क के लिये जो नल बन रहा था उसके काम को देखा फिर मिनाई के पुल केनी चे से जाकर उस पार ठहरे यहां धूंएं की नाव श्रोर डोंगियों पर सवार ख़ैरख़ाह रैयतों की एक भीड़ जमा थी ये लोग बाजे में बजारहे थे कि "विक्टोरिया महारानी को खुदा सलामत् रखे" श्रोर बड़े ज़ोर से जयकार की आवाज़ देते थे आलबर्ट श्रोर चार्ल्स उतर कर पुलपर टहलने लगे श्रोर जब वे लौट आये हम सब लोग मिलकर फिर गये श्रोर एक बहुत सुंदर जगह पर बैठे पिनराइन क़िले के साम्हने ही स्विट्ज़रलैन्ड की सी सैर नज़र आयी कर्नैलडगलिस्पिनान्ट का मकान जो मैंने साबिक़ मालिक के दख़ल में नातमाम देखा था अब बन के तैयार था बैंगर नदी के कनारों पर पेड़ जमे हुए थे श्रोर पेड़ों के बीच से बोमेरिस जाने की बड़ी सड़क दिखायी देती थी बैगनी रंग के टीले श्रोर खेतों की सब्ज़ी श्रोर नीला समुद्र तीनों तसवीर से सुंदर मालूम देते थे ॥

आलबर्ट और चार्ल्स पिनराइन देखने गये उनके फिरने पर फ़ेयरी जहाज़ में बैठकर हम लोगों ने खाना खाया और आठ बजे लड़के बाले और सब लोगों समेत विक्टोरिया औ आलबर्ट नाम जहाज़ पर गये आज की सुबह बहुत सुंदर थी और दिन कामयाबी से कटा ॥

सोमवार, अगस्त १६ ॥

चार बजे तड़के जहाज़ के खुलने के साथही हम लोगों की नींद खुल गई और घंटेही भर में जहाज़ रुक गया मालूम हुआ कि पहिये की कल बिगड़ी है पारसाल भी ठीक ऐसाही हाल हुआ था पक्के दो घंटे मरम्मत में लग गये और सात बजे हम लोग रवाना हुए आज की सुबह बहुत साफ़ और समुद्र स्थिर था साढ़े दस बजे मैनका टापू नज़र आया यह बहुत सुंदर और ऊंचे पहाड़ और शृंगों से शोभित था बारह बजने से कुछ पेश्तर खाड़ी के कनारे पर पहुंचे डग्लस् का क़सबा इसी खाड़ी पर बड़े सुंदर मौक़े पर है और जहाज़वालों को राह बतलाने के लिये रोश्नी का मीनार बना है उसी के नज़दीक एक क़िला ऐन खाड़ी के कनारे बहुत मनोहर है दस पंदरह मिनट यहां ठहरे पहाड़ के पत्थर बिलकुल आदमियों से ढक गये डग्लस् खाड़ी से रामज़े खाड़ी तक पहाड़ बहुत ऊंचे शृंगों से शोभित हैं ॥

दो घंटे तक ज़मीन निगाह से ग़ाइब रही औ मैं बैठी हुई लिखती रही तीन बजे जहाज़ के सहन पर निकल कर देखा तो स्काटलैन्ड का कनारा बहुत नज़दीक मालूम हुआ पहले मुलआफ़गैलवे फेर विग्टौनशायर नज़र आये आलबर्ट बोले कि आयरलैन्ड का कनारा नज़र आता है लेकिन मुझ को नहीं मालूम हुआ पांच बजे रायन की खाड़ी और बाईं ओर आलसा पहाड़ १००० फ़ुट से ज़ियादा ऊंचा नज़र आया रायन खाड़ी

बहुत सुंदर है और पहाड़ औ टून विशेष करके फिन्नार्ट का छोटासा टून बहुतही मनोहर है खाड़ी बहुत बड़ी है और पहाड़ बहुत ऊंचे ऊंचे और जंगलों से भरे हुए हैं यहां के छोटे नगर का नाम स्ट्रानरीयर है ॥

मंगल, अगस्त १० ॥

छ बजे से आगे चलने लगे आज की सुबुह साफ़ थी आठ बजे आइल्सा पहाड़ के निकट पहुंचे इस पहाड़ की शक्ल अजीब तरह की है हज़ारों चिड़ियां चट्टानों पर नज़र आईं हम लोगों ने बंदूक़ की तीन आवाजें कीं कि जिसमें चिड़ियां उड़कर बन्दूक़ की मार पर आजायं आलबर्ट और चार्ल्स ने बड़ा ज़ोर मारा पर कोई चिड़िया हाथ न आई फिर रायन का छोटा टापू नज़र आया होली टापू का साम्हना और गोटफ़ेल पहाड़ की कतार बहुत सुंदर है सब से ऊंची चोटी २८०० फुट की है और ख़ूब निकली हुई है इन सभों के साम्हने लामलाश नज़र आता है होली के टापू से आगे बढ़कर ब्रोडिक की खाड़ी में आये वह ऊंचे ऊंचे पहाड़ और एक टून से शोभित है और इसके साम्हनेही जंगलों से घिरा हुआ क़िला लार्डडगलस् का बनवाया है फिर थोड़ीही देर में ब्यूटी का टापू नज़र आया और हम लोग क्लाइड नदी में दाख़िल हुए इसकी सुंदरता स्टूअर्ट साहिब और लार्डब्यूटी के इलाकों पर से ख़ूब मालूम होती है नदी के ऊंचे करारे पर पेड़ लगे हुए और दूर दूर तक पहाड़ों से घिरे हुए और इसका मुह बराबर फैलता हुआ बहुत ख़ूबसूरत नज़र आता है लार्ग्स् नाम एक छोटीसी जगह दाहनी ओर बड़े मौक़े से है ॥

साढ़े बारह बजे हम लोग ग्लासगो के ग्रिनाक नाम बन्दर में पहुंचे समुद्र के कनारे और जहाज़ों पर आदमियों की बड़ी भीड़ थी मालूम हुआ कि कम से कम उनतालीस धूंएं की नावें आदमियों से भरी हुई पीछे